www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 174 || लखनऊ
शुक्रवार
25 सितम्बर 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:54
सूर्यास्तः 06:01
अधिकतमः 23°00
न्यूनतमः 22°00

» पेज 07

विशेष समाचार अंत्योदय : विकसित भारत की ... » पेज 04 | एएसआई कार्यालय के गेट पर ... » पेज 06 | लालबागचा राजा के दरबार में पहुंचे ...

मुख्य चुनाव आयुक्त ने वोट चोरी की: राहुल

मैंने उनकी नियुक्ति का विरोध किया था, सरकार ने उन्हें कानून से ऊपर रखा

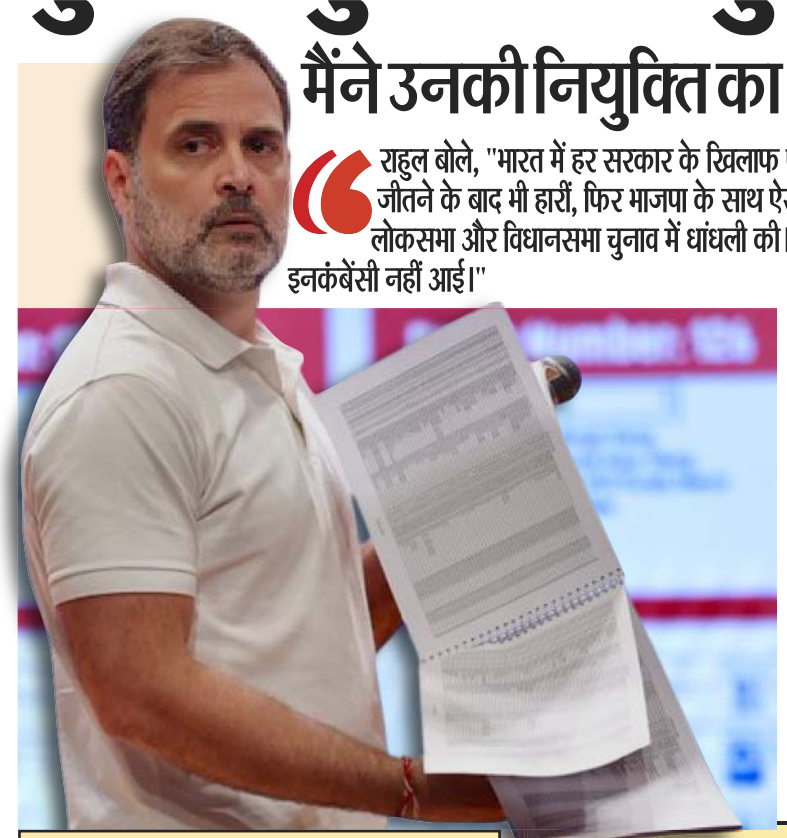

“ राहुल बोले, "भारत में हर सरकार के खिलाफ एंटी-इंकंबेंसी होती है, इंदिरा गांधी बांग्लादेश युद्ध जीतने के बाद भी हारीं, फिर भाजपा के साथ ऐसा क्यों नहीं हुआ। इसकी वजह ज्ञानेश कुमार हैं। लोकसभा और विधानसभा चुनाव में धांधली की। इससे मोदी-शाह के खिलाफ एंटी इनकंबेंसी नहीं आई।" ”

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग, SIR और वोटर लिस्ट से जुड़े विवादों पर गुरुवार को 55 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने वोट चोरी के मामले पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को देशद्रोही कहा। राहुल ने कहा, ज्ञानेश ने वोट चोरी की है। मैंने उनकी नियुक्ति का विरोध किया था, लेकिन सरकार ने उन्हें कानून से ऊपर कर दिया। राहुल ने 2025 में SIR पर तीन प्रेस कॉन्फ्रेंस की थीं। तब उन्होंने चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाया था। उन्होंने आयोग को सरकार की 'B टीम' भी कहा था। राहुल ने पीएम मोदी, गृह मंत्री शाह समेत 19 लोगों की तस्वीरें दिखाईं। उन्होंने कहा कि यह सभी लोकतंत्र को खत्म कर रहे हैं। SIR में 13 करोड़ से ज्यादा नाम कटे, विवाद इसके तरीके परः जून 2025 में बिहार से शुरू हुआ SIR अब 30 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों तक पहुंच चुका है।

» (शेष पेज 06 पर)

राहुल ने कहा- वोट चोरी पर विपक्ष एकमत, 4 सवालों के जवाब दिए

1. सवालः आपको कब और क्यों महसूस हुआ कि वोट चोरी हो रही है?

■ **राहुलः** जब मैं 7 साल का था, 1977 में इंदिरा गांधी पीएम थीं। हर कोई जानता था, खुद उनको भी पता की वह हार जाएंगी। महसूस हो जाता है कि आप हार जाएंगे। आपकी फीलिंग एक बार गलत हो सकती है, दो बार गलत नहीं हो सकती। दो-तीन चुनाव ऐसे थे जब हम टेक्निकली देख रहे थे। धीरे-धीरे वोट चोरी का शक बढ़ने लगा। फिर हम उस पर काम करने लगे।

2. सवालः आपने कहा कि ज्ञानेश कुमार को अप्रूवर बन जाना चाहिए। अगर उन्होंने आपकी सलाह नहीं मानी तो क्या आप सड़कों पर उतरेंगे?

■ **राहुलः** देश में वोट, कानून, संस्था और संविधान के बीच की कड़ी टूट गई है। सबको पता है कि सिस्टम डैमेज हो चुका है। लेकिन मोदी और शाह अपनी जांच थोड़ी करेंगे। पहले सिस्टम की रिपेयरिंग होगी, फिर जांच होगी।

3. सवालः ममता ने कहा कि इंडिया गठबंधन की बैठक कर विपक्ष देशव्यापी आंदोलन करेगा। क्या आपके पुराने सहयोगी भी साथ आएंगे?

■ **राहुल गांधीः** विपक्ष में इस बात को लेकर 100% एग्रीमेंट है कि वोट चोरी हो रही है। भाजपा के अंदर भी लोग कह रहे हैं। हम सभी विपक्षी पार्टियां मिलकर इसके खिलाफ काम करेंगे और संविधान की रक्षा करेंगे।

4. सवालः SIR में एक तरफ जहां करोड़ों लोग बाहर हो रहे हैं वहीं जेन-जी के लिए अपना नाम जुड़वाना मुश्किल हो रहा है। रजिस्ट्रेशन में दिक्कत आ रही है। तो उसपर आप क्या कहेंगे।

■ **राहुल गांधीः** भाजपा को पता है कि जेन-जी उन्हें वोट नहीं देना चाहते। वे उनके खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। चुनाव आयोग का वोटर लिस्ट से कंट्रोल खत्म हो गया है। उसकी विश्वसनीयता खत्म हो गई है। वे भी इसे मान भी रहे हैं। और मुझे उनके बीच आपस की बातचीत की जानकारी है।

राहुल ने प्रेजेंटेशन में 2 स्लाइड दिखाईं

■ पहली में 19 तस्वीरें दिखाईं

राहुल ने पीएम मोदी, गृह मंत्री शाह समेत 19 लोगों की तस्वीरें दिखाईं। उन्होंने कहा कि यह सभी लोकतंत्र को खत्म कर रहे हैं।

दूसरी में कहा- देशद्रोहियों को सजा मिले

राहुल ने कहा कि लोकतंत्र को खत्म करने वालों को सजा मिलनी चाहिए। सीईसी ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना चाहिए। पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह की जांच होनी चाहिए।

“ रिपोर्ट में कहा गया है कि इन सभी आपत्तियों की जानकारी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को दी गई थी। चार महीने बाद 9 सितंबर को तीनों चुनाव आयुक्तों की पूरी बैठक हुई। हालांकि इसमें किस मुद्दे पर चर्चा हुई, इसकी रिपोर्ट सामने नहीं आई।

दो चुनाव आयुक्तों ने 10 महीनों में 14 बार लिखित आपत्ति जताई

द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 बार लिखित आपत्ति दर्ज कराई। संधू और जोशी का आरोप है कि आयोग के कई फैसले और आदेश उनकी जानकारी के बिना लिए और जारी किए गए।

कानून क्या कहता है

संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त और दो चुनाव आयुक्त होते हैं। तीनों का दर्जा बराबर है। मुख्य चुनाव आयुक्त 'बराबरों में पहले' होते हैं, बाकी आयुक्तों से ऊपर नहीं। 2023 के कानून के मुताबिक आयोग को जहां तक संभव हो, सर्वसम्मति से फैसले लेने चाहिए। मतभेद होने पर फैसला बहुमत से होता है। काम और जिम्मेदारियों का बंटवारा भी तीनों की सहमति से होना चाहिए।

इस बार चुनाव लोधी बनाम योगी : अखिलेश यादव

वोट का बुलडोजर भाजपा को खत्म करेगा, ये नकली हिंदू

■ अखिलेश यादव को दो क्रेन से माला पहनाई गई।

■ रथ के अगल-बगल भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ता डीजे पर डांस और नारेबाजी करते हुए उनके साथ चले।

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने यूपी विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को अपना PDA रथ उतार दिया। उन्होंने रायबरेली में भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, ये PDA का तूफान है। PDA की लहर चल रही है। रायबरेली में ऐसा लग रहा है कि यह PDA बनाम BJP तो है ही, इस चुनाव में 'लोधी बनाम योगी' भी हो सकता है। इस बार जनता के वोट का बुलडोजर इनके ऊपर चलने वाला है। यह वोट का बुलडोजर इन्हें हमेशा-हमेशा के लिए ढहा देगा। न केवल हराएगा, बल्कि ऐसी नकारात्मक राजनीति करने वालों को हमेशा-हमेशा के लिए मिटाने का काम करेंगे। यह जो प्रभुत्ववादी लोग हैं, जो अपने आप को ताकतवर समझ रहे हैं, जो वर्चस्ववादी लोग हैं, उनसे कोई लड़ाई अभी की नहीं है।

मुख्य चुनाव आयुक्त 48 घंटे में इस्तीफा दें : कॉकरोच पार्टी

वरना देशभर में आंदोलन करेंगे, वे देशद्रोही

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने गुरुवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को 48 घंटे में इस्तीफा देने का अल्टीमेटम दिया है। पार्टी ने कहा कि अगर उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया तो देशभर में आंदोलन किया जाएगा और इसके बाद दिल्ली में प्रदर्शन करेंगे। CJP फाउंडर अभिजीत दीपके ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- ज्ञानेश कुमार इस देश के सबसे बड़े गद्दार हैं। उन्होंने SIR के जरिए देश में 13 करोड़ से ज्यादा वोट डिलीट किए। लोगों से वोट देने का अधिकार छीना जा रहा है।

■ CJP फाउंडर अभिजीत दीपके, प्रवक्ता सौरभ दास और आशुतोष रांका ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

“ दीपके ने कहा- लोकतंत्र का मतलब है कि जनता अपनी सरकार चुने। लेकिन जब से ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त बने हैं, तब से सरकार यह तय कर रही है कि कौन वोट करेगा और कौन नहीं।

भाजपा ने बंगाल चुनाव में ₹287 करोड़ खर्च किए

नई दिल्ली। बीजेपी ने असम, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनावों में कुल 529.38 करोड़ रुपए खर्च किए।

इसमें सबसे ज्यादा 286.99 करोड़ रुपए पश्चिम बंगाल में खर्च हुए। बंगाल में पार्टी ने चुनाव प्रचार पर 217.16 करोड़ रुपए और उम्मीदवारों पर 69.83 करोड़ रुपए खर्च किए। बाकी 4 राज्यों में पार्टी ने 242 करोड़ रुपए खर्च किए। बीजेपी का बंगाल में खर्च कांग्रेस के पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में किए गए कुल 248.55 करोड़ रुपए के खर्च से ज्यादा रहा।

CPI(M) का कुल खर्च 39.04 करोड़ रुपए रहा। इसका खुलासा चुनाव आयोग को सौंपी गई खर्च रिपोर्ट से हुआ है।

छत्तीसगढ़ के रायपुर में भगवान गणेश को मदसुर राक्षस का वध करते हुए दिखाया गया है, जो नशे और अहंकार का प्रतीक है।

गणेश विसर्जन आज : मुंबई में 383 कुंड बनाए गए

हैदराबाद/मुंबई। गणेश उत्सव का आखिरी दिन 25 सितंबर को है। इस दौरान देशभर में लाखों गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन नदियों, तालाबों, कृत्रिम विसजर्न कुंडों और झीलों में किया जाएगा। तेलंगाना के हैदराबाद में विसर्जन के दौरान इलाकों में सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और ट्रैफिक व्यवस्था के लिए 25 से 30 हजार पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं।

2 आवासीय और 5 अपार्टमेंट प्रोजेक्ट लॉन्च

योगी ने भूमिपूजन किया, प्लॉट के रेट ₹2800 वर्गफीट से शुरू

योजना

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ को 2 आवासीय और 5 अपार्टमेंट प्रोजेक्ट की सौगात मिली है। आवासीय योजनाएं वरुण विहार और नैमिष नगर में हैं, जहां प्लॉट मिलेंगे। ये दोनों योजनाएं 10,680 एकड़ में विकसित की जा रही हैं। गुरुवार को सीएम योगी ने इन योजनाओं की नींव रखी। इसी के साथ इन दोनों योजनाओं के लिए रजिस्ट्रेशन भी शुरू हो गए। वरुण विहार योजना काकोरी में आगरा एक्सप्रेस-वे के पास और नैमिष नगर सीतापुर रोड-आईआईएम रोड इलाके में डेवलप की जा रही है। नैमिष नगर के लिए बीकेटी तहसील के 18 गांवों में जमीन अधिग्रहण किया गया है। ये दोनों योजनाएं 12 हजार करोड़ रुपए से विकसित की जा रही हैं। इनमें प्लॉट के रेट 2800 रुपए से 3800 रुपए तक प्रति वर्गफीट निर्धारित किए गए हैं।

» (शेष पेज 06 पर)

किसान ने बेटे की कहानी सुनाकर बुलडोजर का जिक्र किया

नैमिष नगर योजना में किसान ओम प्रकाश अवस्थी की डेढ़ बीघे जमीन लगी। उन्होंने बताया कि हमने डेढ़ बीघे जमीन एलडीए को दी और उसके बदले 16 बीघे जमीन खरीद चुके हैं। कई लाख रुपए फिक्स कर दिए।

शहर की सबसे ऊंची इमारत का शिलान्यास

इन योजनाओं के साथ जिन 5 आवासीय अपार्टमेंट प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया गया, उनकी लागत 2166 करोड़ रुपए है। शिलान्यास के साथ बसंतकुंज में पार्क व्यू, गोमतीनगर में लेक व्यू, शारदानगर विस्तार में वागेश्वरी, अनंतनगर में अदिति और ऐशबाग में ऐशबाग स्क्वायर अपार्टमेंट का काम शुरू हो गया। ऐशबाग स्क्वॉयर 27 मंजिला होगा। यह शहर की सबसे ऊंची इमारत होगी। इसमें 4 टॉवर और 384 फ्लैट होंगे।

सीएम योगी ने एसीआर की बात दोहराई

सीएम योगी ने स्टेट कैपिटल रीजन (SCR) की बात दोहराई। उन्होंने कहा कि 6500 एकड़ से ज्यादा में वरुण विहार योजना और 4100 एकड़ में नैमिषनगर विकसित किया जा रहा है। ये योजनाएं केवल लखनऊ का विकास नहीं हैं, ये SCR के इन्फ्रास्ट्रक्चर को भी आगे बढ़ाएंगी। लखनऊ के साथ हरदोई, उन्नाव, सीतापुर, रायबरेली, बाराबंकी को जोड़कर SCR बनाया जा रहा है। स्टेट कैपिटल रीजन में व्यवस्थित तरीके से विकास कार्य किए जा रहे हैं। आने वाले समय में SCR अपने आईटी सेक्टर और इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए जाना जाएगा।

शिकायतकर्ता से मिले बिना बनी रिपोर्ट, पैमाइश के नाम पर पुलिस ने समेट दी फाइल

जांच का 'कंट्री डिजाइन'

तफ्तीश

तमसा संकेत, संवाददाता

अकबरपुर (अम्बेडकरनगर)। सरकारी दफ्तरों में शिकायतों के निस्तारण का तरीका भी कभी-कभी अपने आप में सवाल बन जाता है। अकबरपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत नेनुआ से सामने आया एक मामला कुछ ऐसा ही है, जहां शिकायतकर्ता के मुताबिक जमीन का विवाद मौके पर था, मकान मौके पर था, आरोप मौके पर थे, लेकिन जांच का नतीजा कागजों पर ही तैयार हो गया। लोकतंत्र सेनानी स्व. ओम कृष्ण श्रीवास्तव की पत्नी विद्या देवी ने अपने पुश्तैनी मकान, आबादी गाटा संख्या 364ख तथा कृषि भूमि से संबंधित विवाद को लेकर मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत की थी। उनका आरोप है कि देखरेख एवं बटाई के लिए जमीन की जिम्मेदारी संतराम यादव के पुत्र सुभाष यादव आदि को दी गई थी, लेकिन बाद में पुश्तैनी मकान में कथित रूप से तोड़फोड़ एवं फेरबदल किया गया और घर में रखा गृहस्थी का सामान भी

■ सीओ नीतीश कुमार

लेखपाल की
आख्या पर भी
सवाल-बिना बयान
लिए लिख दिया
"प्रार्थिनी संतुष्ट"

■ उपनिरीक्षक रमाशंकर सरोज की रिपोर्ट में विपक्षी का बयान-"जहां जमीन हो, पैमाइश करा लें", लेकिन पैमाइश हुई या नहीं, सवाल बरकरार

■ सीओ कार्यालय पहुंचा मामला, फिर भी नहीं खुली जांच की बंद फाइल

सवाल सिर्फ यह नहीं है कि जमीन किसकी है। बड़ा सवाल यह भी है कि जांच की प्रक्रिया कितनी निष्पक्ष और पूरी थी?

आईजीआरएस का निस्तारण या शिकायत का 'कागजी पोस्टमार्टम'?

यह पूरा मामला अब एक बड़े सवाल में बदलता जा रहा है—क्या IGRS शिकायत का मतलब सिर्फ एक रिपोर्ट लगाकर फाइल बंद करना है, या शिकायतकर्ता की वास्तविक समस्या का समाधान करना भी निस्तारण का हिस्सा है? अगर शिकायतकर्ता की बात के अनुसार न तो उसका बयान लिया गया, न जमीन की पैमाइश हुई, न मकान की स्थिति का पर्याप्त सत्यापन हुआ और न ही गृहस्थी के सामान से जुड़े आरोप की जांच हुई, तो फिर "संतुष्ट" और "निस्तारित" जैसे शब्द किस आधार पर रिपोर्ट का हिस्सा बने? » (शेष पेज 06 पर)

सीओ कार्यालय में रिमाइंडर, फिर भी सवाल वहीं के वहीं

फर्जी अथवा एकपक्षीय निस्तारण का आरोप लगाते हुए प्रार्थिनी ने 25 अगस्त 2026 को क्षेत्राधिकारी कार्यालय अकबरपुर में लिखित रिमाइंडर भी दिया। प्रार्थिनी का आरोप है कि इसके बाद भी मामले की निष्पक्ष पुनः जांच नहीं कराई गई। क्षेत्राधिकारी नीतीश कुमार तिवारी की भूमिका को लेकर भी प्रार्थिनी ने सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि शिकायत के बावजूद मामले में प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

हालांकि इन आरोपों पर संबंधित अधिकारियों का पक्ष सामने आना बाकी है। यदि विभागीय स्तर पर जांच होती है तो यह भी स्पष्ट हो सकता है कि लेखपाल और पुलिस की आख्या किन तथ्यों, बयानों और मौके के साक्ष्यों के आधार पर तैयार की गई।

नाकारा अधिकारीयों, कर्मचारियों की नकेल कसने की जरूरत

योगी के बुलडोजर पर भूमाफियाओं का कब्जा

“ आरोप है कि जीरो टॉलरेंस की सरकार की योजनाओं के साथ-साथ आईजीआरएस को भी कुछ अधिकारी और कर्मचारी कथित रूप से धन उगाही का जरिया बनाकर सरकार की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। बरियावन बाजार बुलडोजर कांड ने जिले के आला अधिकारियों के कान खड़े कर दिए हैं और प्रशासन के सामने भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

■ डीएम ईशा प्रिया

विधानसभा सीटों पर समाजवादी पार्टी का दबदबा रहा

वैसे भी कटेहरी विधानसभा के उपचुनाव को छोड़ दिया जाए तो जनपद की अन्य विधानसभा सीटों पर समाजवादी पार्टी का दबदबा रहा है। ऐसे में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले प्रशासनिक स्तर पर आईजीआरएस जैसी व्यवस्था की पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर उठ रहे सवालों का समाधान बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है।

■ एसपी प्राची सिंह

राज्य मुख्यालय से

लखनऊ/अंबेडकर नगर। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव सिर पर हैं। एक ओर सरकार के मंत्री और संगठन के नुमाइंदे गांव-गांव और शहर-शहर जाकर सरकार की उपलब्धियां गिना रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पुलिस के सिपाही से लेकर थानेदार और क्षेत्राधिकारी तक तथा राजस्व विभाग में लेखपाल से लेकर एसडीएम तक के स्तर पर आईजीआरएस को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। यह अलग बात है कि बरियावन बाजार बुलडोजर कांड की कई कड़ियां सामने आ चुकी हैं और आने वाले दिनों में अन्य कड़ियां भी सामने आने की संभावना है। जिलाधिकारी चाहें तो पूरे जनपद की सभी तहसीलों में पिछले छह महीने में आईजीआरएस पर निस्तारित मामलों का सत्यापन करा सकती हैं। इसी तरह पुलिस अधीक्षक भी सभी थानों में पिछले छह महीने में आईजीआरएस पर की गई कार्रवाई का सत्यापन करा सकती हैं।

» (शेष पेज 06 पर)

वरुण विहार और नैमिष नगर योजना के किसानों ने सराहा मुआवजा प्रक्रिया को, नमरा फातिमा को मिले 70.58 लाख

‘पारदर्शिता से मिली धनराशि’

कार्यक्रम

रामदेई ने मुख्यमंत्री योगी का जताया आभार, कहा- अच्छा मुआवजा मिला

- एक हेक्टेयर जमीन के बदले कमलेश को मिले 2.80 करोड़ रुपये
- मेडिकल की पढ़ाई में खर्च करेंगी राशि
- ओम प्रकाश अवस्थी को मिले 1.96 करोड़, मुआवजे से खरीदी 16 बीघे जमीन

> बख्शी का तालाब निवासी सुषमा सिंह ने बताया कि कमलाबाद स्थित उनकी जमीन नैमिष नगर योजना के अंतर्गत एलडीए को दी गई। उन्होंने कहा कि उन्हें 2 करोड़ 90 लाख रुपये का मुआवजा पारदर्शिता के साथ प्राप्त हुआ है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त किया।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की वरुण विहार एवं नैमिष नगर योजना के भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान योजना के लिए भूमि देने वाले किसानों और लाभार्थी परिवारों ने योगी सरकार की कार्यप्रणाली की सराहना की। किसानों ने एक स्वर में कहा कि उन्हें उनकी भूमि का मुआवजा पारदर्शी तरीके से मिला और प्राप्त धनराशि से उन्होंने दूसरी जगह जमीन खरीदने, मकान बनाने तथा बच्चों की पढ़ाई के लिए निवेश किया है।

ग्राम दोना के मुलेश्वर सिंह ने बताया कि वरुण विहार योजना के अंतर्गत उनकी जमीन ली गई है, जिसे उन्होंने अपनी सर्वसम्मति से दिया है। मुआवजे के रूप में मिली राशि से उन्होंने अलग-अलग स्थानों पर जमीन खरीदी है। ग्राम रेवरी की रामदेई ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताते हुए कहा कि उनकी जमीन योजना में गई और उन्हें अच्छा मुआवजा मिला। उन्होंने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए सरकार के प्रति अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। बक्शी का तालाब के ओम प्रकाश अवस्थी ने नैमिष नगर योजना के तहत अपनी करीब डेढ़ बीघे से अधिक जमीन दी है, जिसके बदले उन्हें 1 करोड़ 96 लाख रुपये मिले हैं। उन्होंने कहा कि मुआवजा प्राप्त करने की प्रक्रिया में उन्हें बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े।

एक हेक्टेयर जमीन के बदले कमलेश को मिले 2.80 करोड़ रुपये

ग्राम दोना के किसान कमलेश कुमार ने बताया कि उन्होंने वरुण विहार योजना के अंतर्गत अपनी एक हेक्टेयर जमीन सहमति से एलडीए को दी है। इसके बदले 2 करोड़ 80 लाख रुपये का मुआवजा मिला है। उन्होंने बताया कि इस धनराशि से उन्होंने उन्नाव जिले में जमीन खरीदी और अपना मकान बनवाया। कमलेश कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री की इस योजना से उनके क्षेत्र और गांव का भी विकास हो रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री को इसके लिए धन्यवाद दिया।

नमरा फातिमा को बिना कठिनाई के मिला मुआवजा

नमरा फातिमा ने हाल ही में 12वीं कक्षा पास की है और नीट की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने बताया कि नैमिष नगर में ग्राम सैदापुर स्थित उनकी जमीन एलडीए को दी गई। उन्हें 70 लाख 58 हजार रुपये एकमुश्त डीडी के माध्यम से प्राप्त हुए हैं। नमरा फातिमा ने बताया कि बिना किसी कठिनाई के मिली इस राशि से उन्होंने जमीन खरीदी है और भविष्य में यह धनराशि उनकी मेडिकल की पढ़ाई में काम आएगी। उन्होंने कहा कि इस योजना से क्षेत्र में रोजगार और आवासीय सुविधाओं का विस्तार होगा तथा क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी।

अखिलेश यादव पीडीए को लेकर कन्फ्यूज : चंद्रशेखर

लखनऊ में भागीदारी आंदोलन किया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सहारनपुर नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव पर बयानबाजी की है। उन्होंने कहा- अखिलेश यादव PDA को लेकर कन्फ्यूज हैं। वह कभी P से पंडित तो कभी पिछड़ा बताते हैं। उनका P बदलता रहता है, हमारा नहीं बदलेगा। हमारे P का मतलब पीड़ित है, पीड़ित ही रहेगा।

चंद्रशेखर ने अखिलेश यादव के ‘रथ’ पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा- अखिलेश यादव यादव रथ से आते हैं। दूसरे नेता जमीन से आते हैं। मैं जमीन के 10 फीट नीचे से आता हूं। मेरे पास रथ होता तो वह लखनऊ से शुरू होता और अपनी मंजिल तक जरूर पहुंचता। बहनजी (मायावती) को अगर 2027 में शक्ति मिली और मेरे शामिल होने से सत्ता आती है तो उन्हें समर्थन दूंगा।

नगीना सांसद व आजाद समाज पार्टी के मुखिया चंद्रशेखर आजाद ने गुरुवार को राजधानी के इको गार्डन में संपूर्ण भागीदारी आंदोलन किया। इसमें उनको सपोर्ट करने यूपी के कई जिलों से लोग पहुंचे हुए थे।

चंद्रशेखर ने कहा- दूसरे नेता जमीन से आते हैं, लेकिन हम जमीन के 10 फीट नीचे से आते हैं। हमें सभी पार्टियों ने दफन करने की कोशिश की। हमारे माता-पिता मंत्री नहीं थे। परिवार में कोई भी विधायक या सांसद नहीं था। हम अपने दम पर और समाज के प्यार से यहां तक पहुंचे हैं।

फास्ट न्यूज

महिला पर धारदार हथियार से हमला

लखनऊ । लखनऊ के चिनहट में पुरानी रंजिश के चलते एक परिवार पर पड़ोसियों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। विवाद सफारी कार जलाने को लेकर शुरू हुआ। विरोध करने पर आरोपियों ने परिवार के साथ मारपीट की। हमले में महिला के गाल का मांस कट गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हरदासी खेड़ा निवासी उदय प्रताप मिश्रा ने पुलिस को बताया कि 23 सितंबर की सुबह उनकी सफारी कार को आग लगाकर जला दिया गया।

गांधी भवन में आरक्षण व कॉलेजियम पर संगोष्ठी

लखनऊ। लखनऊ के गांधी भवन में न्यायपालिका में आरक्षण, सामाजिक प्रतिनिधित्व और कॉलेजियम व्यवस्था जैसे ज्वलंत मुद्दों पर एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। बोधिसत्व डॉ. आंबेडकर अधिवक्ता संघ के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में न्यायपालिका में पारदर्शिता और सामाजिक विविधता पर गंभीर विमर्श हुआ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संघ के संगठन मंत्री एडवोकेट डीके सुदर्शन ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने वंचित समाज को राजनीतिक अधिकार दिलाने के लिए आजीवन संघर्ष किया।

नवयुग कन्या महाविद्यालय में फ्री हेल्थ चेकअप

लखनऊ । लखनऊ के नवयुग कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के प्रथम एक दिवसीय शिविर का सफल आयोजन किया गया। प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व मां सरस्वती की वंदना से हुआ। इस मौके पर बी.एससी. (प्रथम वर्ष) की छात्रा ऊनी गुप्ता ने 'लक्ष्य गीत' पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया।

ग्लोबल मंच पर चमकेगा ब्रज की 'दीदियों' का हुनर

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2026

तमसा संकेत, संवाददाता

आगरा। ग्रेटर नोएडा में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने जा रहे यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) 2026 में इस बार ब्रज क्षेत्र की महिलाओं के हुनर का डंका विश्व स्तर पर बजेगा। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार 'लोकल फॉर वोकल' और 'लोकल टू ग्लोबल' के विजन को धरातल पर उतारते हुए ग्रामीण अंचल की महिलाओं को आत्मनिर्भरता की नई उड़ान दे रही है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत ब्रज क्षेत्र में गठित स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की 'दीदियां' इस ट्रेड शो में हिस्सा लेंगी। यहां उनके द्वारा तैयार किए गए उत्कृष्ट उत्पादों का शानदार प्रदर्शन और विपणन किया जाएगा, जिससे उनके व्यवसाय को एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय बाजार मिल सकेगा।

आजीविका मिशन की योजनाओं का होगा प्रचार- प्रसार

इस अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में केवल उत्पादों की बिक्री ही नहीं होगी, बल्कि उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत चल रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं की भी जानकारी प्रदान की जाएगी। ट्रेड शो के माध्यम से समूह गठन की प्रक्रिया, टेक होम राशन, बीसी सखी और विद्युत सखी जैसी महिला सशक्तिकरण की योजनाओं के बारे में आगंतुकों को जागरूक किया जाएगा।

ब्रज के शानदार उत्पादों की होगी प्रदर्शनी

यूपीआईटीएस में आगरा मंडल से स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की व्यापक प्रदर्शनी लगाई जाएगी। मेले में आने वाले देशी- विदेशी खरीदार और निवेशक फिरोजाबाद जनपद की महिलाओं द्वारा बनाए गए कांच के मनमोहक सजावटी उत्पाद देख सकेंगे। इसके साथ ही मथुरा जनपद की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए मिट्टी के खूबसूरत बर्तन, तुलसी गमला और फ्लावर पॉट भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे। वहीं मैनपुरी जनपद के समूहों द्वारा निर्मित आकर्षक आर्टिफिशियल ज्वेलरी, टेडीबियर और जूट बैग आदि उत्पादों का स्टॉल भी लगेगा, जहां से इनकी बिक्री कर ग्रामीण महिलाएं सीधे मुनाफा कमा सकेंगी।

मुरादाबाद के डीआईओएस कार्यालय कर्मचारी पर भाजपा प्रत्याशी के प्रचार का आरोप

शिक्षक चुनाव में आचार संहिता उल्लंघन का आरोप

सपा ने की कार्रवाई की मांग

> ज्ञापन में कहा गया है कि भारत निर्वाचन आयोग ने 22 सितंबर 2026 को उत्तर प्रदेश विधान परिषद के 11 शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव की घोषणा की है। चुनाव कार्यक्रम घोषित होते ही संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है। सपा ने आरोप लगाया कि इसके बावजूद कर्मचारी द्वारा लगातार चुनाव प्रचार किया जा रहा है।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन-2026 को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश को ज्ञापन सौंपा है। सपा ने मुरादाबाद जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में कार्यरत कर्मचारी जीत सिंह पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि कर्मचारी जीत सिंह खुलेआम भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी डॉ. हरि सिंह ढिल्लों के पक्ष में प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। सपा का दावा है कि जीत सिंह एक विद्यालय के निजी वाहन के माध्यम से भाजपा प्रत्याशी का प्रचार कर रहे हैं। इस वाहन का उपयोग विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षकों और अन्य स्टाफ द्वारा किया जाता है।

सपा के अनुसार, जीत सिंह द्वारा मुरादाबाद के शिक्षकों के विभिन्न वाट्सएप समूहों में भाजपा प्रत्याशी डॉ. हरि सिंह ढिल्लों को चुनाव में विजयी बनाने की अपील की जा रही है। साथ ही प्रत्याशी को जीत की अग्रिम बधाई देने संबंधी पोस्ट भी साझा की जा रही हैं। पार्टी ने इन पोस्टों को भी निर्वाचन अधिकारी के समक्ष उपलब्ध कराने की बात कही है। पार्टी ने यह भी कहा कि मामले की शिकायत जिला निर्वाचन अधिकारी, मुरादाबाद से किए जाने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। सपा का आरोप है कि इस तरह की गतिविधियों से चुनाव प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। सपा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मांग की है कि कर्मचारी जीत सिंह के खिलाफ आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई जाए। साथ ही उन्हें तत्काल निलंबित करने और गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्रवाई की जाए, ताकि बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन-2026 में पारदर्शी, निष्पक्ष, स्वतंत्र और निर्भीक चुनाव सुनिश्चित हो सके।

महिला अभ्यर्थियों की उपस्थिति 90.36 प्रतिशत, पुरुष अभ्यर्थियों की 88.36 प्रतिशत

प्राचार्य पद की लिखित परीक्षा पारदर्शी एवं नकलविहीन वातावरण में सम्पन्न

- 813 पंजीकृत अभ्यर्थियों में 722 ने दी परीक्षा, उपस्थिति 88.81 प्रतिशत

> एआई कैमरों के माध्यम से परीक्षार्थियों की गतिविधियों पर सतत नजर

> परीक्षा का आयोजन पारदर्शी, नकलविहीन, शुचितापूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में किया गया। आयोग के अध्यक्ष, सदस्यगण, सचिव, परीक्षा नियंत्रक एवं उपसचिव की उपस्थिति में दोनों परीक्षा केन्द्रों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी गई।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज की विज्ञापन संख्या 02/2026 के अंतर्गत प्राचार्य (अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालय) पद के लिए लिखित परीक्षा गुरुवार को जनपद लखनऊ के दो परीक्षा केन्द्रों पर प्रथम पाली में प्रातः 09:30 बजे से 11:30 बजे तक सम्पन्न हुई।

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशान्त कुमार ने बताया कि परीक्षा के दौरान आयोग में स्थापित AI Integrated Control Command Room से परीक्षा केन्द्रों की सघन निगरानी की गई। परीक्षा केन्द्रों पर स्थापित A.I. कैमरों के माध्यम से परीक्षा दे रहे अभ्यर्थियों की गतिविधियों की भी सतत निगरानी की गई। आयोग द्वारा परीक्षा की शुचिता, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग किया गया। उन्होंने बताया कि जनपद लखनऊ के दोनों निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा निर्विघ्न, नकलविहीन, शुचितापूर्ण एवं ससमय सम्पन्न हुई। परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं हुई तथा पूरी परीक्षा प्रक्रिया सुव्यवस्थित ढंग से संचालित की गई। उन्होंने परीक्षा के सफल एवं सुचारू संचालन में सहयोग के लिए सम्बन्धित जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोग अध्यक्ष ने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया में तकनीकी निगरानी और प्रशासनिक समन्वय से परीक्षा की शुचिता बनाए रखने में महत्वपूर्ण सहायता मिली।

उन्होंने बताया कि उक्त परीक्षा के लिए जनपद लखनऊ में कुल 813 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 722 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में प्रतिभाग किया, जो कुल पंजीकृत परीक्षार्थियों का 88.81 प्रतिशत है। परीक्षा में महिला परीक्षार्थियों की उपस्थिति 90.36 प्रतिशत तथा पुरुष परीक्षार्थियों की उपस्थिति 88.36 प्रतिशत रही। आयोग द्वारा चयन प्रक्रिया को निर्धारित मानकों के अनुरूप पारदर्शी, निष्पक्ष एवं शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

नदी में डूबकर मौत, अंतिम संस्कार के बाद बेटी जन्मी

लखनऊ । लखनऊ में गणपति प्रतिमा विसर्जन के दौरान सई नदी में डूबे 3 व्यक्तियों में से 2 की पत्नियां गर्भवती थीं। तीनों व्यक्तियों का बुधवार दोपहर अंतिम संस्कार किया गया। उनमें से एक की पत्नी ने उसी रात करीब 12 बजे बेटी को जन्म दिया। वहीं, दूसरे युवक की पत्नी अभी 3 महीने की गर्भवती है।

मंगलवार शाम प्रतिमा विसर्जन के दौरान डूब रहे साथी प्रमोद को बचाने के लिए धीरज और हरिप्रसाद ने भी नदी में छलांग लगा दी थी। प्रमोद ने दोनों दोस्तों की पीठ पर हाथ रखकर नदी से बाहर निकलने की कोशिश की, लेकिन तेज बहाव के कारण तीनों नदी में डूब गए। प्रमोद को तैरना आता था, इसके बावजूद वह प्रतिमा के नीचे दबने के बाद तेज बहाव में बह गया।

प्रमोद के भाई मनोज ने बताया कि धीरज और हरिप्रसाद उसके साथी थे। गणपति प्रतिमा की स्थापना के बाद से प्रमोद मजदूरी करने नहीं गया था।

68,500 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थी बीजेपी दफ्तर में घुसे

जमीन पर लेटकर नारेबाजी की पुलिस से धक्का-मुक्की

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने गुरुवार को बीजेपी कार्यालय में घुसकर प्रदर्शन किया। अभ्यर्थी जमीन पर लेट गए और सिर पर ‘आरक्षण घोटाला’ लिखी टोपी पहनकर सीटी बजाते हुए नारेबाजी की। करीब आधे घंटे तक चले प्रदर्शन के दौरान पुलिस और अभ्यर्थियों में धक्का-मुक्की और नोकझोंक हुई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर जबरन हटाने, कपड़े फाड़ने और बदसलूकी का आरोप लगाया। अभ्यर्थी 2018 की भर्ती में आरक्षण का लाभ देने और 5% छूट के आधार पर संशोधित चयन सूची जारी करने की मांग कर रहे हैं।

प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थियों ने ‘ऐसी क्या मजबूरी है-आरक्षण की चोरी है’ और ‘पिछड़ा आयोग ने माना है-आरक्षण घोटाला है’ जैसे नारे लगाए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को कार्यालय से हटाने की कोशिश की। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की हुई।

पुलिस ने सभी प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में दिव्यांग अभ्यर्थी भी शामिल थे।

सीतापुर से आए आशुतोष वर्मा ने कहा कि हम पिछले 8 साल से नौकरी के लिए भटक रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती में बड़े स्तर पर आरक्षण घोटाला हुआ है। राज्य और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने भी आरक्षण में गड़बड़ी की बात मानते हुए नियमों का पालन करने का आदेश दिया है।

छापेमारी : 8 लैपटॉप, 5 मोबाइल फोन, एक्सयूवी बरामद दोनों कॉल सेंटर में मैनेजमेंट संभालते थे

लखनऊ से अमेरिकियों को ठगने वाले 2 मुख्य आरोपी गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के अलीगंज से अमेरिकी नागरिकों को ऑनलाइन ठगने वाले कॉल सेंटर के 2 मुख्य आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों कॉल सेंटर में क्लोजर टीम और मैनेजमेंट संभालते थे। इस गिरफ्तारी के साथ मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या 18 हो गई है। पुलिस ने इन दोनों आरोपियों के पास से 8 लैपटॉप, 5 मोबाइल फोन, एक पेन ड्राइव, 39 हजार रुपए नकद और महिंद्रा XUV 700 कार बरामद की है।

पूछताछ में पुलिस को पता चला कि दोनों आरोपी शिवा उर्फ प्रियांशु कुशवाहा के साथ मिलकर कॉल सेंटर चला रहे थे। पुलिस की छापेमारी से पहले दोनों फरार हो गए थे। दोनों का काम कॉल सेंटर में क्लोजर टीम और मैनेजमेंट संभालना था। वे नए युवक-युवतियों को ठगी करने की ट्रेनिंग भी देते थे। पुलिस के मुताबिक, गिरोह अमेरिका में रहने वाले लोगों को निशाना बनाता था। उनके कंप्यूटर पर Apple, Microsoft और Amazon जैसी कंपनियों के नाम से फर्जी पॉप-अप और सिक्योरिटी अलर्ट भेजे जाते थे। इनमें वायरस, बैंक अकाउंट हैक होने या डेटा लीक होने की झूठी जानकारी दी जाती थी।

अलर्ट में दिए फर्जी कस्टमर केयर नंबर पर पीड़ित कॉल करते थे। कॉल सेंटर के कर्मचारी सिक्योरिटी जांच के नाम पर उनसे Social Security Number (SSN), बैंकिंग डिटेल और दूसरी निजी जानकारी लेते थे। इसके बाद पीड़ितों को कानूनी कार्रवाई और बैंक अकाउंट फ्रीज होने का डर दिखाकर गिफ्ट कार्ड, बैंक ट्रांसफर या क्रिप्टोकरेंसी के जरिए पैसे ऐंठे जाते थे।

> 8 लैपटॉप, 5 मोबाइल फोन, एक पेन ड्राइव, 39 हजार रुपए नकद और महिंद्रा XUV 700 कार बरामद की है।

18 सितंबर को हुई थी छापेमारी

पुलिस ने 18 सितंबर को अलीगंज के नावेल्टी सिनेमा के पास रिध्या प्लाजा में चल रहे फर्जी कॉल सेंटर पर छापा मारा था। उस दौरान 16 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। मामले में अलीगंज थाने में BNS की विभिन्न धाराओं और आईटी एक्ट की धारा 66C/66D के तहत केस दर्ज किया गया था। उसी दिन 16 लोगों को गिरफ्तार किया था। 2 आरोपी फरार थे। पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस के जरिये फरार आरोपियों की तलाश शुरू की। गुरुवार को देवेंद्र सिंह तोमर (41) और हिमांशु धर्मपाल चौहान (29) को गिरफ्तार कर लिया गया।

ई टी आई एम मशीनों में दिव्यांगजनों को निःशुल्क यात्रा

टिकट जारी किए जाने हेतु एक नवीन सुविधा विकसित - दयाशंकर सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की साधारण श्रेणी की बसों में दिव्यांगजनों को निःशुल्क यात्रा अनुमन्य है। निःशुल्क यात्रा को सुविधाजनक एवं पारदर्शी रूप से उपलब्ध कराने के आशय से वर्तमान में प्रयुक्त हो रही ETIM मशीनों में दिव्यांगजनों को निःशुल्क यात्रा टिकट जारी किए जाने हेतु एक नवीन सुविधा विकसित की गई है।

यह जानकारी देते हुए परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि इस सुविधा के अंतर्गत परिचालक द्वारा दिव्यांगजन के पहचान-पत्र (Divyangjan UDID Card) पर अंकित QR Code को ETIM मशीन से स्कैन कर, सीधे निःशुल्क टिकट निर्गत किया जा सकेगा।

इससे दिव्यांगजनों को त्वरित, सुगम एवं पारदर्शी रूप से निःशुल्क यात्रा की सुविधा उपलब्ध होगी।

परिवहन मंत्री ने बताया कि परिचालक द्वारा ETIM मशीन के माध्यम से दिव्यांगजन को निःशुल्क टिकट के लिए दिव्यांगजन यात्री से Boarding एवं Alighting स्टापेज पूछकर ETIM मशीन में अंकित किया जायेगा। तत्पश्चात् ETIM मशीन पर प्रदर्शित 'दिव्यांगजन' बटन पर परिचालक क्लिक करेगा।

> परिवहन मंत्री ने बताया कि परिचालक द्वारा ETIM मशीन से दिव्यांगजन को निर्गत टिकट का वास्तविक मूल्य उस परिचालक एवं बस सेवा के लोडफैक्टर तथा प्रतिफलो की गणना में सम्मिलित रहेगा। एएफसी पोर्टल पर दिव्यांगजन यात्रियों की यात्रा रिपोर्ट भी पृथक से उपलब्ध रहेगी। उन्होंने बताया कि यदि किसी दशा में दिव्यांगजन कार्ड पर अंकित QR Code स्कैन होने की स्थिति में न हो, तो परिचालक द्वारा पूर्व की भाँति दिव्यांगजन को यात्रा करायी जाए।

डीएम ईशान प्रताप सिंह ने मेडल और प्रमाणपत्र देकर बढ़ाया खिलाड़ियों का हौसला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन की दी सीख

अवध ताइक्वांडो चैंपियनशिप के पदक विजेता खिलाड़ी सम्मानित

सम्मान

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। अवध ताइक्वांडो चैंपियनशिप में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को गुरुवार को जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने सम्मानित किया। डीएम ने अपने कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान खिलाड़ियों को मेडल और प्रमाणपत्र प्रदान किए। सम्मान मिलने पर खिलाड़ियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस दौरान डीएम ने खिलाड़ियों से बातचीत कर उनकी उपलब्धियों के बारे में जानकारी ली और आगे भी इसी तरह मेहनत जारी रखने के लिए प्रेरित किया। अवध

ताइक्वांडो चैंपियनशिप में बेहतर प्रदर्शन करने वाले अव्यांश, अरुण प्रताप सिंह, वरुण प्रताप सिंह, वैष्णवी, ईशान सिंह, अक्षत सिंह, अथर्व वर्मा, समर मौर्य, रेयान, असदुल्ला, एकाग्र सिंह, अनुभव मिश्रा और अनय वर्मा को मेडल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ ताइक्वांडो प्रशिक्षक एवं राष्ट्रीय रेफरी जितेंद्र कुमार मौर्य ने जिलाधिकारी को पुष्पगुच्छ भेंट कर आभार जताया। उन्होंने

जिलाधिकारी ने कहा कि खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रतिभा के साथ निरंतर मेहनत, अनुशासन और लगन जरूरी है। उन्होंने खिलाड़ियों को राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयारी करने की सीख दी। डीएम ने कहा कि खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा को लगातार निखारते रहना चाहिए और हर प्रतियोगिता से कुछ नया सीखने का प्रयास करना चाहिए।

खिलाड़ियों के प्रदर्शन और प्रशिक्षण से जुड़ी जानकारी भी साझा की।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का लक्ष्य रखें

डीएम ईशान प्रताप सिंह ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि उन्हें केवल जिला या प्रदेश स्तर तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का लक्ष्य रखना चाहिए।

उन्होंने खिलाड़ियों से मेहनत और अनुशासन के साथ प्रशिक्षण जारी रखने को कहा। डीएम ने उम्मीद जताई कि ताइक्वांडो खिलाड़ी अपनी प्रतिभा और प्रदर्शन के दम पर बाराबंकी के साथ उत्तर प्रदेश का नाम भी रोशन करेंगे। सम्मान समारोह में खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों के बीच खेल को लेकर उत्साह नजर आया। खिलाड़ियों ने भी डीएम से मिले प्रोत्साहन के बाद भविष्य की प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने का संकल्प लिया।

लगातार प्रशिक्षण से निखारी जा रही खिलाड़ियों की प्रतिभा

कार्यक्रम में ताइक्वांडो प्रशिक्षक मनीष दत्त और तुषार विश्वकर्मा ने एसोसिएशन की ओर से जिलाधिकारी को प्रतीक चिन्ह भेंट किया। वरिष्ठ प्रशिक्षक जितेंद्र कुमार मौर्य ने बताया कि खिलाड़ियों को विभिन्न प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन के लिए लगातार प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को समय-समय पर मिलने वाला सम्मान उनके आत्मविश्वास और मनोबल को बढ़ाता है। इससे खिलाड़ी आगामी प्रतियोगिताओं के लिए और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित होते हैं। उन्होंने कहा कि ताइक्वांडो में बेहतर प्रदर्शन के लिए नियमित अभ्यास, फिटनेस और अनुशासन महत्वपूर्ण है। खिलाड़ियों को इन्हीं पहलुओं पर लगातार तैयार किया जा रहा है, ताकि वे जिला स्तर के साथ राज्य और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें।

बुजुर्ग महिला के खाते से 4.26 लाख निकले

हरदोई में बोलीं- कभी यूपीआई चलाया ही नहीं

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई जनपद के संडीला में साइबर ठगी का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां 60 साल की बुजुर्ग महिला सुमन गुप्ता के बैंक खाते से 4 लाख 26 हजार रुपये से ज्यादा की रकम निकाल ली गई। खास बात यह है कि महिला को यूपीआई (UPI) चलाना नहीं आता था और उन्होंने कभी इसका इस्तेमाल नहीं किया। इस संबंध में बुधवार को 2 बजकर 56 मिनट पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। संडीला में पुलिस चौकी के निकट रहने वाली सुमन गुप्ता, जो स्वर्गीय रज्जन लाल की पत्नी हैं, का खाता स्थानीय बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा में है। उनके मुताबिक, उन्होंने कभी यूपीआई का इस्तेमाल नहीं किया। इसके बावजूद, 9 सितंबर 2026 से 21 सितंबर 2026 के बीच उनके

हरदोई में साइबर ठगी का मामला, बुजुर्ग महिला के खाते से 4.26 लाख।

खाते से कुल 4,26,567 रुपये कई बार में निकाल लिए गए। जब उन्हें इस धोखाधड़ी का पता चला तो वह हैरान रह गईं। इस घटना के बाद बुजुर्ग महिला ने तुरंत राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। इसका शिकायत नंबर 23109260187179 है। इसके बाद उन्होंने संडीला थाना प्रभारी को एक आवेदन दिया।

फास्ट न्यूज

एलपीजी सिलेंडर से गैस की जगह पानी निकलने का दावा

बाराबंकी। बाराबंकी में LPG सिलेंडर को लेकर हैरान करने वाला मामला सामने आया है। शहर के उपभोक्ता कमल रावत ने दावा किया कि डिलीवरी के दो दिन बाद सिलेंडर लगाने पर चूल्हा कुछ देर सामान्य चला, लेकिन इसके बाद गैस की जगह पानी निकलने लगा। सकता कि सिलेंडर के अंदर वास्तव में पानी था या इसके पीछे कोई दूसरी तकनीकी वजह थी।

पारिवारिक विवाद में युवक ने जहरीला पदार्थ खाया

उन्नाव। उन्नाव के खरगौरा गांव में बुधवार रात एक युवक ने पारिवारिक विवाद के बाद जहरीला पदार्थ खा लिया। उसकी हालत बिगड़ने पर परिजन उसे सफीपुर सीएचसी ले गए। वहां से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान खरगौरा गांव निवासी 30 वर्षीय राम नरेश के रूप में हुई है। वह स्व. राम भजन का बेटा था। परिजनों ने बताया कि किसी पारिवारिक बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद राम नरेश ने जहरीला पदार्थ खा लिया। सफीपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले गए।

28 डिफाल्टरों ने अब तक नहीं लिया ओटीएस का लाभ

उन्नाव। उन्नाव-शुक्लागंज विकास प्राधिकरण (यूएसडीए) की संपत्तियों की बकाया किश्तें जमा नहीं करने वाले 28 भवन और भूखंड मालिकों के पास अब भी एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) का लाभ लेने का मौका है।

शासन ने डिफाल्टरों को राहत देते हुए ओटीएस की समय सीमा बढ़ाकर 15 दिसंबर कर दी है।

बाराबंकी में बोले- कश्मीर में अब पत्थर नहीं, तिरंगा, बेटियां बेखौफ स्कूल जा रहीं

पिछली सरकारों में कानून-व्यवस्था खराब थी, जनता नहीं भूली-स्वतंत्र देव

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह गुरुवार को बाराबंकी में एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साध1। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के दौरान प्रदेश की कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब थी, जिसे जनता आज तक नहीं भूली है। मंत्री ने दावा किया कि मौजूदा सरकार में गुंडागर्दी और दंगे खत्म हुए हैं और लोगों को भयमुक्त माहौल मिला है। मंत्री ने पिछली सरकारों पर वनटांगिया, मुसहर, थारू, सहरिया और घुमंतू समाज की अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ये वर्ग लंबे समय तक बुनियादी सुविधाओं से वंचित रहे और गरीबी व बदहाली में जीवन

गुजारते रहे। उन्होंने दावा किया कि डबल इंजन सरकार ने ऐसे परिवारों को पक्के आवास, मुफ्त राशन और आयुष्मान कार्ड जैसी योजनाओं का लाभ देकर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया है। उन्होंने सपा और कांग्रेस पर परिवारवादी राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता ने ऐसी राजनीति को नकार दिया है। मंत्री के ये बयान राजनीतिक आरोपों के तौर पर सामने आए। देश के बदलते हालात का जिक्र करते हुए मंत्री ने जम्मू-कश्मीर का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि एक समय वहां बच्चों के हाथों में ईंट-पत्थर दिखाई देते थे।

स्वतंत्र देव सिंह ने बदनाम अपराधी के तौर पर चर्चित 'टोपी राजा' का भी जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा शासनकाल में पांच-पांच और दस-दस लाख रुपए लेकर उपद्रव और प्रदर्शन कराए जाते थे और आम लोगों पर अत्याचार होता था।

बोले- बेटियां अब बिना डर स्कूल जा रही हैं

स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि कानून-व्यवस्था में सुधार का फायदा प्रदेश के हर वर्ग को मिला है। उनके मुताबिक, अब हिंदू ही नहीं, मुस्लिम परिवारों की बेटियां भी बिना डर के मोहल्लों से निकलकर स्कूल जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि जिन मुस्लिम परिवारों के बेटे या पिता रोजी-रोटी के लिए खाड़ी देशों या दुबई में रहते हैं, वे भी अब अपनी बेटियों की सुरक्षा को लेकर पहले की तुलना में बेफिक्र हैं

मंत्री ने कहा कि सरकार ने ऐसा माहौल बनाया है, जिसमें परिवारों को सुरक्षा को लेकर चिंता कम हुई है।

1.03 करोड़ की हेरोइन बरामद, तस्कर हुआ गिरफ्तार

512 ग्राम अवैध हेरोइन के साथ मो. नदीम उर्फ राजू पकड़ा गया

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में एएन-टीएफ पुलिस को सफलता मिली है। टीम ने कोतवाली नगर क्षेत्र से एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के पास से 512 ग्राम अवैध हेरोइन मिली है, जिसकी कीमत करीब 1 करोड़ 3 लाख रुपये बताई जा रही है। एएनटीएफ टीम ने आरोपी मो. नदीम उर्फ राजू को कोतवाली नगर क्षेत्र में क्रिस्टल गार्डेन के पास से पकड़ा।

तलाशी के दौरान उसके पास से 512 ग्राम हेरोइन और एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद हुआ। मादक पदार्थ की यह बड़ी मात्रा मिलने के बाद पुलिस ने इसे

तस्करी के नेटवर्क से जोड़कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपी ने मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त से जुड़ी जानकारी दी है।

पुलिस का कहना है कि नदीम अपने एक पार्टनर के साथ मिलकर हेरोइन खरीदता और बेचता था।

वे सस्ते दामों में मादक पदार्थ खरीदकर ग्राहकों को महंगे दामों में सप्लाई करते थे। एएनटीएफ टीम अब आरोपी के मोबाइल फोन और पूछताछ से मिली जानकारियों के आधार पर उसके नेटवर्क की जांच कर रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि मादक पदार्थ कहां से लाया जाता था और किन लोगों तक इसकी सप्लाई होती थी।

आरोपी के पार्टनर की भूमिका की भी जांच की जा रही है। इस मामले में कोतवाली नगर थाने में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21/29 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

तीन दिन से लापता युवक पेट्रोल पंप के बाहर मिला

हरदोई में अस्पताल में मौत, पेट्रोल पंप के बाहर अचेत हालत में मिला था

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई शहर के नघेटा रोड पर एक पेट्रोल पंप के बाहर बृहस्पतिवार सुबह 8 बजे एक युवक अचेत हालत में मिला। यह युवक पिछले तीन दिन से लापता था। पुलिस ने उसे तुरंत मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान 31 वर्षीय कमलेश उर्फ रमेश के रूप में हुई है। दोपहर के समय 12:15 बजे शव का पंचनामा भरा गया। कमलेश उर्फ रमेश मूल रूप से बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के नाऊपुरवा के रहने वाले थे। वह अपनी मां और भाई के साथ हरदोई शहर की मील कॉलोनी में किराए के मकान में रहते थे। कमलेश रेलवे

गंज स्थित दुल्लीचंद चौराहे के पास पल्लेदारी का काम करते थे। मृतक के बड़े भाई गुड्डू ने बताया कि कमलेश मंगलवार सुबह काम के लिए घर से निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। परिवार ने उनकी काफी तलाश की, पर कोई जानकारी नहीं मिली। बृहस्पतिवार सुबह करीब 8 बजे लोगों ने नघेटा रोड पर पेट्रोल पंप के बाहर उन्हें अचेत पड़ा देखा और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस से कमलेश को मेडिकल कॉलेज भेजा। डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसी बीच, उनके बड़े भाई गुड्डू को जिंदपीर चौराहे के पास एक शव मिलने की खबर मिली। वह तुरंत मेडिकल कॉलेज पहुंचे और शव की पहचान अपने छोटे भाई कमलेश के रूप में की। कमलेश अपनी मां रामश्री के साथ रहते थे। वह दो भाइयों में छोटे और अविवाहित थे। उनकी तीन बहनें गुड्डी, रामदेवी और सुज्जा हैं। जिसमें से गुड्डी कि मौत हो चुकी है। शहर कोतवाल संजय त्यागी ने बताया कि परिजनों की शिकायत और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एमआईईटी में एडब्ल्यूएस कैंपस एक्सपीरियंस, 500 से अधिक छात्रों ने सीखी क्लाउड तकनीक

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। एमआईईटी में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसई) विभाग और कंप्यूटर सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीएसआई) क्लब के संयुक्त तत्वावधान में एडब्ल्यूएस कैंपस एक्सपीरियंस-'एडब्ल्यूएस बिल्डर सेंटर' का आयोजन किया गया। इसमें 500 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। विशेषज्ञों ने छात्रों को क्लाउड कंप्यूटिंग, एडब्ल्यूएस तकनीक, उभरती प्रौद्योगिकियों और करियर की संभावनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में एमआईईटी के चेयरमैन विष्णु शरण, वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल, कैंपस डायरेक्टर प्रो. डॉ. एसके सिंह, डीन एकेडमिक्स प्रो. डॉ. संजीव सिंह, सीएसई एवं आईटी के एसोसिएट डीन प्रो. डॉ. प्रदीप पंत, सीएसई-एलाइड ब्रांचेज के एसोसिएट डीन प्रो. डॉ. गौरव गोयल सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन सीएसई विभागाध्यक्ष डॉ. विकास श्रीवास्तव के नेतृत्व में हुआ। सहायक प्रोफेसर जगबीर सिंह व प्रिया कुमारी ने समन्वय किया, जबकि सीएसआई क्लब अध्यक्ष अरहम खान और उनकी टीम ने आयोजन में सहयोग दिया।

एडब्ल्यूएस प्रमाणित फैकल्टी प्रेरणा चौधरी, हेमंत बर्नवाल और राहुल कुमार ने छात्रों को क्लाउड कंप्यूटिंग, एडब्ल्यूएस तकनीक, उभरती तकनीकों, प्रमाणपत्रों और करियर अवसरों से अवगत कराया। छात्रों ने तकनीकी सत्रों में सक्रिय भागीदारी की। विशेषज्ञों ने उन्हें तकनीक के व्यावहारिक उपयोग और वास्तविक समस्याओं के समाधान में इसके इस्तेमाल के लिए प्रेरित किया। छात्र प्रतिनिधियों एवं स्वयंसेवकों विक्रम बालोदी, भाव्या राज राठी, दीपांशु, प्रियांश वर्मा, लोवेश सेमवाल, अंकित जैन, उत्कर्ष रुहेला, अथर्व राय, अनुराधा झा, आरती सिंह और अविका ने आयोजन में सहयोग किया। एमआईईटी प्रबंधन के अनुसार, कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीकी कौशल और व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था। कार्यक्रम के समापन पर अतिथियों, शिक्षकों, एडब्ल्यूएस प्रमाणित फैकल्टी, सीएसआई क्लब टीम, स्वयंसेवकों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया।

घटना : उन्नाव में 48 घंटे बाद भी पहचान नहीं, 12 जिलों की पुलिस से संपर्क

रेलवे ट्रैक पर निर्वस्त्र महिला का शव मिला

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। शुक्लागंज-कानपुर पुल के पास रेलवे ट्रैक पर मिले महिला के निर्वस्त्र शव की 48 घंटे से अधिक समय बीतने के बाद भी पहचान नहीं हो सकी है। महिला का एक पैर ट्रेन की चपेट में आने से कटकर दूर जा गिरा था। घटना के बाद जीआरपी ने महिला की पहचान के लिए जांच का दायरा बढ़ा दिया है। अब आसपास के जिलों की पुलिस से भी संपर्क किया जा रहा है, ताकि किसी थाने में दर्ज महिला की गुमशुदगी की सूचना से शव की पहचान का मिलान कराया जा सके। जीआरपी थानाध्यक्ष सुनील मिश्रा के मुताबिक, उन्नाव के अलावा कानपुर, लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, रायबरेली और अमेठी समेत करीब 12 जिलों की पुलिस से संपर्क किया

गया है। संबंधित जिलों में महिला के शव की फोटो और पहचान से संबंधित पंपलेट भेजे जा रहे हैं। पुलिस इन जिलों में हाल के दिनों में दर्ज महिला गुमशुदगी के मामलों की जानकारी भी जुटा रही है। अधिकारियों का कहना है कि किसी महिला के लापता होने की सूचना दर्ज होने पर उसके हुलिए और अन्य विवरण का शव से मिलान कराया जाएगा। इसके अलावा रेलवे स्टेशनों और आसपास के इलाकों में भी महिला के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

गुमशुदगी के मामलों से मिलाया जा रहा मिलान

महिला की पहचान के लिए जीआरपी की ओर से आसपास के थानों से संपर्क कर वहां दर्ज गुमशुदगी के मामलों की जानकारी मांगी जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि हाल के दिनों में आसपास के किसी जिले से कोई महिला लापता हुई थी या नहीं। इसके लिए पुलिस रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं और संबंधित थानों से सूचनाएं जुटाई जा रही हैं। जीआरपी ने महिला की पहचान के लिए सोशल मीडिया का भी सहारा लिया है। शव से संबंधित फोटो और उपलब्ध जानकारी को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस को उम्मीद है कि सोशल मीडिया के माध्यम से किसी परिचित या परिजन तक सूचना पहुंच सकती है और महिला की पहचान हो सकती है।

पुलिस का फोकस फिलहाल महिला की पहचान कराने पर है। अधिकारियों का कहना है कि पहचान होने के बाद ही घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी, आरपीएफ और सिविल पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मंगलवार सुबह ओएचई पोल संख्या 63/13 अप लाइन के पास रेलवे ट्रैक पर शव पड़ा था। इसे देखकर आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर में मौके पर भीड़ जमा हो गई।

गणेश विसर्जन और गौरा जुलूस को लेकर फ्लैग मार्च

डीएम-एसपी ने कोतवाली क्षेत्र में रूट व्यवस्था देखी, जरूरत होने पर बिजलीं कटेगी

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में गणेश मूर्ति विसर्जन और गौरा जुलूस को देखते हुए गुरुवार दोपहर करीब दो बजे प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने शहर में फ्लैग मार्च किया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। डीएम घनश्याम मीणा और एसपी जयप्रकाश सिंह की अगुवाई में अधिकारियों ने कोतवाली क्षेत्र में जुलूस के संभावित रूट का निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा, ट्रैफिक और बिजली व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि शहर में एक साथ दो कार्यक्रम होने वाले हैं, इसलिए सुरक्षा को लेकर खास सावधानी बरती जा रही है। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों और

कर्मचारियों को निर्देश दिए गए कि दोनों आयोजनों में कोई दिक्कत न हो। कार्यक्रम शांति से पूरे हों, इसके लिए संवेदनशील जगहों पर सुरक्षा इंतजामों की जांच भी की गई। अधिकारियों के मुताबिक, शाम को गणेश प्रतिमाओं की आरती का कार्यक्रम होना है। इसे देखते हुए गौरा जुलूस के आयोजकों से जुलूस के समय में बदलाव करने को कहा गया था। आयोजक भी इस पर सहमत हो गए हैं। प्रशासन चाहता है कि दोनों कार्यक्रम अलग-अलग समय पर पूरे हों, ताकि कोई गड़बड़ी न हो और लोगों को परेशानी न हो। फ्लैग मार्च के दौरान अधिकारियों ने जुलूस के रूट पर आने वाली खास जगहों का निरीक्षण किया। पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि रूट पर काफी सुरक्षा बल तैनात करें और भीड़ के दौरान लगातार नजर रखें। साथ ही ट्रैफिक व्यवस्था ठीक रखने के लिए भी जरूरी तैयारियां करने को कहा गया। गणेश प्रतिमा पंडालों में बिजली व्यवस्था को लेकर भी विभाग के अधिकारियों ने जांच की है। प्रशासन के अनुसार, पंडालों में बिजली के तारों और दूसरी व्यवस्थाओं को देखा जा रहा है, ताकि कोई हादसा न हो। जुलूस के दौरान जिन जगहों पर बिजली काटने की जरूरत होगी, उनकी भी पहचान की गई है।

सम्पादकीय

प्रधानमंत्री की चिंतन बैठक

प्रधानमंत्री की ओर से अपनी मंत्रिपरिषद के सभी सदस्यों के साथ दो दिवसीय चिंतन बैठक यह रेखांकित कर रही है कि महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श होने जा रहा है। इनमें से एक विकसित भारत के लिए आवश्यक कदमों पर अमल करना और सुधारों को आगे बढ़ाना है। इस बैठक में योजनाओं की प्रगति, नीतियों के क्रियान्वयन और मंत्रालयों के बीच तालमेल जैसे विषयों पर भी चर्चा संभावित है।

जो भी हो, सरकार के कामकाज को और प्रभावी बनाना समय की मांग है। इसके लिए नौकरशाही को अपना रुख-रवैया बदलना होगा। इससे इनकार नहीं कि मोदी सरकार की ओर से विकास और जनकल्याण संबंधी अनेक कार्य किए जा रहे हैं, लेकिन यह भी सच है कि इन कार्यों की गति और गुणवत्ता बढ़ाने की आवश्यकता है। इस आवश्यकता की पूर्ति करके ही 2047 तक देश को विकसित बनाने के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। इस लक्ष्य को आसान बनाने के लिए यह आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है कि सरकार एक साथ कई मोर्चों पर गंभीरता से ध्यान दे। इनमें एक मोर्चा है शहरों की सूरत संवारने का। चूंकि शहर आर्थिक विकास के इंजन हैं, इसलिए उनके ढांचे में सुधार के साथ नागरिक सुविधाओं में बेहतरी समय की मांग है। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि समृद्धि बढ़ने के साथ एक ऐसा वर्ग उभर आया है, जिसे सब कुछ गुणवत्तापूर्ण चाहिए। इनमें नागरिक सुविधाओं से लेकर उपभोक्ता सामग्री एवं आमोद-प्रमोद के साधन भी शामिल हैं। ध्यान रहे कि देशों का वैभव उनके शहरों से भी प्रकट होता है। शहरों को साधन संपन्न बनाने का काम प्रमुखता से होना चाहिए, ताकि वे तनाव मुक्त जीवन का जरिया बन सकें। शहरों की सूरत संवारने के साथ ही सरकार को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की सेहत सुधारने पर भी विशेष ध्यान देना होगा। यह ठीक नहीं कि तमाम प्रयासों के बाद भी कृषि की उत्पादकता बढ़ने का नाम नहीं ले रही है। इसके चलते ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर पलायन बढ़ रहा है। एक अन्य मोर्चा शिक्षा का है। यह ठीक है कि नई शिक्षा नीति पर अमल हो रहा है, लेकिन सभी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना अभी भी एक चुनौती बना हुआ है। ऐसी ही चुनौती युवाओं को उपयुक्त कौशल से लैस करने की भी है। हमारे युवा डिग्री तो हासिल कर ले रहे हैं, लेकिन वे किसी कौशल से लैस नहीं हो पा रहे हैं। इस समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए, क्योंकि इससे ही रोजगार की चुनौती का सामना करने में मदद मिलेगी। किसी भी सरकार का लक्ष्य लोगों की समस्याओं का समाधान करना और जीवन को आसान बनाना होता है। इस लक्ष्य की प्राप्ति तब आसानी से होती है, जब नियम-कानूनों का सही से पालन होता है।

जैन धर्म में अर्थ सुख का आधार ?

अर्थ आदमी की मूलभूत सुविधाओं में उपयोगी हो सकता है लेकिन अर्थ सुख का आधार कभी नहीं हो सकता है । यह भी माना की गृहस्थ के अर्थ के बिना कुछ काम नहीं होता है परन्तु यह सुख का आधार है ही यह भ्रांति गलत है । अर्थ तो मनुष्य जीवन में उपयोगी हो सकता है वो भी बाहरी तरिके से लेकिन भीतर में यह सुख नहीं देता है । अगर अर्थ ही सुख का आधार होता तो भगवान महावीर और न जाने कितने - कितने सन्तो ऋषि मुनियो ने संसार को छोड़ कर संयम का मार्ग नहीं अपनाते । हर आदमी सुख चाहता है। कोई भी दुःख नहीं चाहते ।सुख को पाने के लिए खोजता है कोई न कोई रह कोई रास्ता। भोग की सामग्री का आविष्कार है सबसे बड़ा रास्ता। साथ में अनिवार्य आवश्यकता की पूर्ति के लिए किया गया पदार्थों का निर्माण। ज्यों -ज्यों बढ़ा निर्माण इच्छाएं बढ़ती गई बेहिसाब। बदल गया पूरा दृष्टिकोण। इच्छा पूर्ति के लिए किया जाने लगा निर्माण। सीमित इच्छा सीमित आवश्यकता और सीमित पदार्थ है मानसिक शांति का आधार। पर अर्थ से शास्त्रीय दृष्टिकोण से जन मानस हो गया प्रभावित। हमारा भौतिक संसाधनों पर ही जीवन हो गया आधारित। ज्यों - ज्यों फंसते जा रहे हम इस मायावी जाल में। त्यों - त्यों धंसता जाता अशांति के बबाल में। सुख बन जाता सिर्फ और सिर्फ़ सपना मात्र। व्यक्ति बन जाता दया का पात्र।यह है इच्छाओं का खेल। सुख के विपरीत जीवन का शर्तिया दुःख से है गाढ़ा मेल।व्यक्ति दिखाता है अपने आपको खुश अतिरिक्त । पर अंदर से है वह खोखला और रिक्त। अतः आवश्यकता आकांक्षा एक नहीं है ।यह समझें हम यह बात सही है। एक समय था कि व्यक्ति अतिमितव्यता में भी अपने परिवार का लालन-पालन बड़े प्रेम से आराम से कर लेता था और अपनी आमदनी में से कुछ पैसे बचा कर अपने बच्चों के लिये गहने और जायदाद आदि भी जोड़ लेता था ।वो समय था सादा जीवन उच्च विचार का । इंसान बहुत सुखी और खुशहाल था ।बड़ा और भरा पुरा परिवार होने के बावजूद मन में किसी चीज़ की कमी नहीं लगती थी ।बड़ों के प्रति आदर और पारिवारिक सदस्यों में बहुत प्रेम भी था ।अब जमाना तो बदला ही पर साथ में इंसान का सोच का तरीक़ा भी बदल गया।

› प्रदीप छाजेड़

अंत्योदय : विकसित भारत की मानवीय आधारशिला

> भारत की अर्थव्यवस्था के विस्तार के साथ यह जिम्मेदारी भी बढ़ती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2025-26 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही और 2026-27 की पहली तिमाही में यह 7.8 प्रतिशत रही।

भारत की विकास यात्रा आज ऐसे दौर में है, जब आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता, डिजिटल परिवर्तन और वैश्विक प्रभाव के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई है और देश को विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक समृद्धि केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद, ऊंची इमारतों, आधुनिक सड़कों या वैश्विक रैंकिंग से तय नहीं होती। उसकी सबसे बड़ी कसौटी यह है कि विकास की रोशनी उस व्यक्ति तक कितनी पहुंची है, जो विकास की कतार में सबसे पीछे खड़ा है। यहीं से अंत्योदय का विचार प्रासंगिक होता है। हर वर्ष 25 सितंबर को अंत्योदय दिवस मनाया जाता है। यह दिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती का दिन है और 25 सितंबर 2014 को भारत सरकार ने इसे अंत्योदय दिवस के रूप में घोषित किया था। इसी अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना को भी शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य ग्रामीण गरीब युवाओं को कौशल और रोजगार के अवसरों से जोड़ना था। इसलिए अंत्योदय दिवस केवल किसी महापुरुष की स्मृति का दिवस नहीं, बल्कि विकास की दिशा और उसकी प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करने का अवसर है। 'अंत्योदय' दो शब्दों से बना है-'अंत्य' अर्थात सबसे अंतिम और 'उदय' अर्थात उत्थान। लेकिन इसका अर्थ केवल किसी गरीब व्यक्ति को सहायता देना नहीं है। अंत्योदय का व्यापक अर्थ है-ऐसी व्यवस्था का निर्माण जिसमें कोई व्यक्ति अवसरों से वंचित न रहे, कोई परिवार बुनियादी सुविधाओं के अभाव में पीछे न छूटे और विकास की प्रक्रिया का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुंचे। दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' में मनुष्य केवल आर्थिक उत्पादन की इकाई नहीं है। उसके शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा-सभी का संतुलित विकास आवश्यक है। यही अंत्योदय को महज कल्याणकारी कार्यक्रम से आगे ले जाकर मानव-केंद्रित विकास-दर्शन बनाता है। आज प्रश्न यह नहीं है कि भारत विकास कर रहा है या नहीं। प्रश्न यह है कि भारत के विकास का लाभ किस गति से, किस गहराई से और किस अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। यही वह प्रश्न है जो अंत्योदय दिवस को 2026 में और अधिक महत्वपूर्ण बनाता है। भारत 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक आकार बढ़ाने का लक्ष्य नहीं हो सकता। विकसित भारत का अर्थ विकसित गांव, सक्षम नागरिक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य, सम्मानजनक रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, डिजिटल पहुंच, उद्यमिता और अवसरों की समान उपलब्धता भी है। 2026 में नीति-निर्माण में 'समावेशी मानव विकास' को विकसित भारत की चर्चा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। यही कारण है कि आज अंत्योदय की आवश्यकता पहले से कम नहीं, बल्कि अधिक है। आर्थिक विकास जितना तेज होगा, उतनी ही जरूरी होगी यह सावधानी कि विकास की दौड़ में कोई पीछे न छूट जाए। तकनीक जितनी शक्तिशाली होगी, उतना ही जरूरी होगा कि डिजिटल विभाजन कम हो। नए रोजगार जितने पैदा होंगे, उतनी ही आवश्यकता होगी कि गरीब और ग्रामीण युवा उनके लिए आवश्यक कौशल प्राप्त कर सकें। भारत में अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़े करोड़ों श्रमिकों के संदर्भ में नीति आयोग ने भी यह रेखांकित किया है कि तकनीक अपने आप समावेशी परिवर्तन नहीं ला सकती, अवसरों और सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करना भी जरूरी है।

इस दृष्टि से अंत्योदय का नया अर्थ 'सहायता से सशक्तिकरण' होना चाहिए। गरीब को केवल अनुदान नहीं, अवसर मिले। किसान को केवल राहत नहीं, बेहतर उत्पादकता और बाजार मिले। श्रमिक को केवल रोजगार नहीं, कौशल और सामाजिक सुरक्षा मिले। महिला को केवल कल्याणकारी योजना नहीं, शिक्षा, संपत्ति, उद्यमिता और निर्णय-क्षमता में भागीदारी मिले। ग्रामीण युवा को केवल नौकरी की तलाश में शहर की ओर जाने की मजबूरी न हो, बल्कि उसके गांव और कस्बे में ही कौशल, डिजिटल सुविधा और उद्यम का वातावरण बने। यही अंत्योदय का आधुनिक स्वरूप हो सकता है-व्यक्ति को लाभार्थी से भागीदार बनाना। 2014 में शुरू हुई दीनदयाल अंत्योदय योजना ने ग्रामीण और शहरी गरीबों के लिए आजीविका तथा कौशल-विकास को महत्व दिया था। सरकार ने उस समय ग्रामीण एवं शहरी गरीबों के उत्थान के लिए कौशल विकास और आजीविका के अवसरों को विस्तार देने की बात कही थी। आज आवश्यकता इस सोच को और व्यापक बनाने की है। अंत्योदय को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कौशल, आवास, पोषण, वित्तीय समावेशन, डिजिटल कनेक्टिविटी और सामाजिक सुरक्षा के बीच एक समन्वित दृष्टिकोण बनाना होगा। भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य भी सार्वजनिक नीति और आर्थिक विमर्श में प्रमुखता से व्यक्त किया गया है, 2026 के केंद्रीय बजट पर प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया में भी यह लक्ष्य दोहराया गया। लेकिन आर्थिक महाशक्ति बनने की यात्रा तभी व्यापक अर्थों में सफल होगी, जब आर्थिक शक्ति का सामाजिक आधार भी उतना ही मजबूत हो। विश्वगुरु बनने की आकांक्षा केवल विश्व को ज्ञान देने से पूरी नहीं होगी, अपने समाज के अंतिम व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन देने से भी उसकी परीक्षा होगी। भारत की प्राचीन चेतना में 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' जैसे विचार रहे हैं। अंत्योदय इसी मानवीय परंपरा का आधुनिक सामाजिक-आर्थिक रूप माना जा सकता है। यह कहता है कि राष्ट्र की समृद्धि का अर्थ केवल कुछ लोगों की समृद्धि नहीं, बल्कि समूचे समाज की उन्नति है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की स्मृति को जीवंत रखने का सबसे सार्थक तरीका केवल उनके चित्र पर माल्यार्पण करना नहीं, बल्कि उनके विचार के मानवीय पक्ष को व्यवहार में उतारना है। उनका जीवन सादगी, संगठन, राष्ट्रसेवा और वैचारिक प्रतिबद्धता से जुड़ा रहा। उनका अंत्योदय दर्शन आने वाली पीढ़ियों को यह प्रश्न पूछने की प्रेरणा देता है कि हमारे विकास का अंतिम लाभार्थी कौन है और क्या वह वास्तव में विकास की मुख्यधारा में आ पाया है? 2047 का विकसित भारत केवल सरकार के प्रयासों से नहीं बनेगा। इसके लिए शासन, समाज, उद्योग, स्वयंसेवी संस्थाओं, शिक्षण संस्थानों और नागरिकों-सभी की भागीदारी आवश्यक होगी। गांवों में स्थानीय उद्यमिता बढ़ानी होगी, युवाओं को कौशल देना होगा, शिक्षा की गुणवत्ता सुधारनी होगी, स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना होगा और सरकारी योजनाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा। डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और नई तकनीकें इस पहुंच को तेज कर सकती हैं, 2026 में नीति आयोग की डीपीआई-2047 रूपरेखा ने भी डिजिटल अवसंरचना को समावेशी और उत्पादकता-आधारित विकास से जोड़ा है।

ललित गर्ग

49 किलोग्राम वर्ग...

कुमार कृष्णन

मीराबाई ने उठाया भारत का सपना

भार उठाने वाले खिलाड़ी के कंधों पर केवल लोहे का वजन नहीं होता। उसके साथ वर्षों की मेहनत, असफलताओं की स्मृतियां, चोटों का दर्द और देश की उम्मीदें भी होती हैं। मीराबाई चानू ने जब एशियाई खेलों में 198 किलो वजन उठाकर रजत पदक हासिल किया, तो उन्होंने केवल एक पदक नहीं उठाया। उन्होंने भारतीय भारोत्तोलन के 28 साल पुराने इंतजार को भी अपने कंधों पर उठाया और उसे पोडियम तक पहुंचा दिया।

49 किलोग्राम वर्ग में मीराबाई ने स्नैच में 87 किलो और क्लीन एंड जर्क में 111 किलो उठाकर कुल 198 किलो का भार दर्ज किया। यह एशियाई खेलों में उनका पहला पदक है। 1998 के बैंकॉक एशियाई खेलों में कर्णम मल्लेश्वरी के रजत पदक के बाद भारतीय भारोत्तोलन को एशियाई खेलों में पदक के लिए 28 साल इंतजार करना पड़ा। मीराबाई के रजत ने इस लंबे इंतजार को खत्म किया।

2014 के एशियाई खेलों में मीराबाई नौवें स्थान पर रही थीं। 2018 में चोट के कारण वह एशियाई खेलों में हिस्सा नहीं ले सकीं। 2023 के हांगझोऊ एशियाई खेलों में वह पदक के बेहद करीब पहुंचकर चौथे स्थान पर रह गईं। जांघ की चोट ने उनके क्लीन एंड जर्क के प्रयासों को प्रभावित किया। जिस मंच पर पदक पाने का सपना था, उसी मंच ने उन्हें बार-बार परीक्षा में डाला लेकिन उन्होंने हार को अपनी पहचान नहीं बनने दिया। 2016 का रियो ओलंपिक उनके लिए बेहद कठिन रहा, जहां वह कोई वैध लिफ्ट दर्ज नहीं कर सकीं। खेल की दुनिया में ऐसे क्षण खिलाड़ी के लिए बहुत भारी होते हैं। वर्षों की मेहनत कुछ सेकंड में असफल दिखाई दे सकती है। लेकिन असफलता वहीं खत्म हो जाना नहीं है। वह अगली कोशिश की शुरुआत भी हो सकती है। मीराबाई ने इसे साबित किया। उन्होंने वापसी की, विश्व चैंपियन बनीं और टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीता। राष्ट्रमंडल खेलों में भी उन्होंने लगातार सफलता हासिल की। उनके पास ओलंपिक रजत, विश्व चैंपियनशिप का खिताब और राष्ट्रमंडल खेलों के कई स्वर्ण पदक हैं। फिर भी एक सपना बाकी था ।एशियाई खेलों का पदक। यही खेल की खूबसूरती भी है और उसकी कठोरता भी। उपलब्धियों की लंबी सूची के बावजूद खिलाड़ी के भीतर कोई एक अधूरा सपना बचा रह सकता है। मीराबाई के लिए वह सपना इस बार पूरा हुआ। इसलिए उनका रजत केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है। यह भारतीय भारोत्तोलन के लिए भी एक महत्वपूर्ण क्षण है। 1998 में कर्णम मल्लेश्वरी के रजत के बाद भारत को एशियाई खेलों में भारोत्तोलन का अगला पदक पाने में 28 साल लग गए। 28 साल यानी लगभग एक पूरी खेल पीढ़ी।

भारत में प्रतिभा की कमी नहीं है। मेहनत करने वाले खिलाड़ी भी कम नहीं हैं। फिर ऐसा क्यों हुआ कि एक खेल, जिसमें भारत ने ओलंपिक और विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाई, एशियाई खेलों में लगातार पदक से दूर रहा? क्या समस्या प्रतिभा खोजने में थी? प्रशिक्षण व्यवस्था में? आधुनिक खेल विज्ञान की कमी में? चोटों के प्रबंधन में? या फिर उस निरंतर व्यवस्था में, जो खिलाड़ी को शुरुआती स्तर से अंतर-राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाती है?इन सवालों का उत्तर केवल मीराबाई के पदक में नहीं मिलेगा। हमारी आदत है कि खिलाड़ी जीतता है तो हम उसे राष्ट्र का गौरव कहते हैं। पदक आता है तो बधाइयों की बाढ़ आ जाती है। कैमरे खिलाड़ी के घर पहुंचते हैं। सम्मान समारोह होते हैं। लेकिन राष्ट्र का गौरव केवल पोडियम पर खड़े होने के दिन क्यों याद आता है? जब खिलाड़ी सुबह अंधेरे में उठकर अभ्यास करता है, जब उसका शरीर चोट से जूझता है, जब प्रतियोगिता में असफलता मिलती है, जब उसे अपने खान-पान और जीवनशैली पर कठोर नियंत्रण रखना पड़ता है—तब उसके साथ कौन खड़ा होता है?

आंकड़ों से बाहर निकलकर देखें तो यह कहानी और बड़ी दिखाई देती है

पोडियम पर पहुंचने के बाद मीराबाई ने कहा—आखिरकार उन्होंने वह पदक जीत लिया, जिसका वह कई वर्षों से इंतजार कर रही थीं। उन्होंने कहा कि जब से उन्होंने भारोत्तोलन शुरू किया था, तभी से एशियाई खेलों में पदक जीतना उनका सपना था। सपना पूरा हुआ तो खुशी के आंसू आंखों तक आ गए। वह रोना चाहती थीं, लेकिन खुद को संभाल लिया। जिस पदक का इंतजार वर्षों से था, उसके सामने खड़े होकर भावुक होना स्वाभाविक था।

किसी खिलाड़ी की सफलता को केवल पदक और आंकड़ों में देखना उसके संघर्ष को छोटा कर देना है। मीराबाई की कहानी 198 किलो से बहुत आगे जाती है। इसमें असफलता है, चोट है, वापसी है और बार-बार खुद को साबित करने का धैर्य है।

ममता बनर्जी ...

रामस्वरूप रावतसरे

क्या अब उद्धव-ममता के बाद राहुल गांधी और केजरीवाल की बारी है ?

ममता बनर्जी की पार्टी का जो हाल हुआ है, उससे इंडी वाले तिलमिला रहे हैं। ममता बनर्जी की पार्टी का नाम, सिंबल सब चला गया। नंदीग्राम उपचुनाव का कैंडिडेट भी नहीं ठहर पाया। ममता बनर्जी की राजनीति का फुल पैकअप दिख रहा है। ममता बनर्जी का वैसा ही हाल दिख रहा है जैसा उद्धव ठाकरे का हुआ था। इंडी में ममता बनर्जी और उद्धव ठाकरे ये वो नेता थे जो आए दिन कहते रहते थे कि नरेंद्र मोदी को आज कुर्सी से गिरा देंगे, कल जमीन दिखा देंगे लेकिन मोदी और भाजपा का तो कुद नहीं हुआ इनकी खुद की राजनीति निपट गई है। इसी तरह की बातें राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल भी करते रहे हैं। विश्लेषकों के अनुसार लगता है अब राहुल और केजरीवाल का नंबर है क्योंकि एक तरफ यूपी चुनाव आने वाले हैं जहां राहुल का सबसे बड़ा टेस्ट है और दूसरी तरफ पंजाब का चुनाव है जहां केजरीवाल का टेस्ट है। जानकारों के अनुसार जून 2026 में पश्चिम बंगाल से दिल्ली तक एक खबर ने विपक्ष की सियासत का गणित हिला दिया। तृणमूल कांग्रेस के करीब 20 लोकसभा सांसदों ने पार्टी से अलग रुख अपनाया और एनडीए को समर्थन देने की बात कही। शुरुआत में इन सांसदों की तरफ से लोकसभा स्पीकर को अपने नए राजनीतिक रुख की जानकारी देने की बात सामने आई थी, यानी सवाल सिर्फ इतना नहीं था कि कौन किसके साथ जा रहा है लेकिन बंगाल में उपचनाव से पहले पूरी कहानी ही पलट गई है।

अब तो सवाल उठ रहे हैं कि टीएमसी का नाम और निशान बचेगा भी या नहीं? और क्या जिस तरह बंगाल में पार्टी हारी, उसी तरह टीएमसी अपना अस्तित्व भी खो देगी? बंगाल चुनाव से पहले जो ममता बनर्जी केंद्र से भाजपा को उखाड़ फेंकने की बात कर रही थी अब सवाल है कि ममता के पास दिल्ली में उनके लिए आवाज देने वाले कितने बचेंगे? यानी ममता बनर्जी की पार्टी में टूट की कहानी अभी किसी एक मंजिल पर जाकर रुकी नहीं है, लेकिन इसका मतलब ये भी नहीं कि बंगाल में ममता की पूरी सियासत खत्म हो गई। वो पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री रही हैं। विपक्ष की दिल्ली की राजनीति की स्पॉट लाइट रहीं। उधर टीएमसी में बंटवारे का मामला सामने आने के बाद ममता बनर्जी गुट सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। विवाद के केंद्र में टीएमसी का नाम और उसका चुनाव चिह्न है। चुनाव आयोग ने 6 अक्टूबर को होने वाले उपचुनावों से पहले इन पर रोक लगा दी है।

ममता बनर्जी गुट ने सुप्रीम कोर्ट में नाम और निशान बचाने के लिए दो याचिका दायर की है। पहली याचिका में चुनाव आयोग के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें उनके गुट को एआई-टीएमसी नाम और असली चुनाव चिन्ह देने से इनकार किया गया। दूसरी याचिका में पश्चिम बंगाल विधानसभा के स्पीकर और 10 बागी विधायकों को अयोग्य ठहरने की याचिकाओं पर फैसला लेने में हो रही देरी से जुड़ी है।

इसलिए असली सवाल है कि क्या बंगाल से टीएमसी की विदाई के साथ उसकी राष्ट्रीय ताकत भी कमजोर हो गई है? और अगर हुई तो क्या ये विपक्ष के बिखरने के सबसे बड़ी पहली तस्वीर है? क्योंकि डीएमके की कनिमोझी एक के बाद एक क्षेत्रीय नेताओं से मुलाकात कर रही हैं।

जरा हटके

भारत में बैंककर्मी ...

डॉ. शैलेश शुक्ला

पाँच दिन के कार्य सप्ताह के लिए पाँच दिन बैंक रहेंगे बंद

देश के सरकारी बैंकों में 26 से 30 सितंबर तक लगातार पाँच दिन शाखा सेवाएँ प्रभावित रहने की स्थिति बन रही है। 26 सितंबर को चौथा शनिवार है, 27 को रविवार है और 28, 29, 30 सितंबर को यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने तीन दिन की राष्ट्रव्यापी हड़ताल का नोटिस दिया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने एडवाइजरी में कहा है कि यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने 28 सितंबर से 30 सितंबर 2026 तक हड़ताल प्रस्तावित की है और ग्राहक जरूरी लेनदेन पहले निपटा लें। इंडियन बैंक और यूनियन बैंक ने भी इसी तरह सूचना दी है। यह हड़ताल 11 सितंबर की एक दिन की हड़ताल के बाद हो रही है और 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी भी दी गई है।

यह तारीख बहुत संवेदनशील है। 30 सितंबर बैंकों का अर्धवार्षिक समापन है। इस दिन छह महीने का हिसाब मिलान, प्रावधान, ट्रेजरी और मार्केट ऑपरेशन पूरे होते हैं। वित्त मंत्रालय ने 22 सितंबर को अपील जारी कर कहा कि 28 से 30 की हड़ताल और उससे पहले के सप्ताहांत को मिलाकर प्रभावी रूप से पाँच दिन बैंक सेवाएँ बंद रहेंगी और इससे ग्राहकों, कारोबारियों, सरकारी भुगतान और अंतरराष्ट्रीय लेनदेन में असुविधा होगी। मंत्रालय ने इसे वित्तीय कैलेंडर के लिए विशेष रूप से संवेदनशील बिंदु बताया है।

बातचीत क्यों टूटी। उप मुख्य श्रम आयुक्त ने 22 सितंबर को नई दिल्ली में सुलह बैठक बुलाई। इंडियन बैंक्स एसोसिएशन और वित्तीय सेवा विभाग ने कहा कि पाँच दिन के बैंकिंग सप्ताह की माँग सरकार के विचार में है और हड़ताल टाली जाए। ऑल इंडिया बैंक एम्प्लाइज एसोसिएशन के महासचिव ने कहा कि कोई नई प्रगति नहीं हुई। यूनियन का कहना है कि द्विपक्षीय समझौते में पाँच दिन पर सहमति बने ढाई साल हो गए लेकिन अधिसूचना जारी नहीं हुई। यूनियन तभी हड़ताल पर पुनर्विचार करेगी जब ठोस प्रगति दिखेगी। सरकार ने बताया कि दो प्रमुख माँगों में से एक पर कार्रवाई हो चुकी है। नवंबर 2024 में जारी परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव योजना को 2025-26 के लिए स्थगित रखा गया है। सरकार का कहना है कि वेतन, भत्ते, कल्याण निधि में 56 प्रतिशत वृद्धि, पदोन्नति और तबादला प्रक्रिया में सुधार और महिला कर्मचारियों के लिए विशेष छुट्टी जैसे कदम उठाए गए हैं। 2015 से 2026 के बीच लगभग 4.83 लाख भर्तियाँ हुई हैं और जुलाई 2026 तक अधिकारी पदों के 95.84 प्रतिशत और अधीनस्थ स्टाफ के 92 प्रतिशत पद भरे हैं। फिर भी काम का दबाव बना हुआ है क्योंकि योजनाएँ और ग्राहक संख्या तेजी से बढ़ी है। क्या पाँच दिन का सप्ताह जायज है। दुनिया के अनुभव देखें। ब्रिटेन में 61 कंपनियों में लगभग 2900 कर्मचारियों पर चार दिन के कार्य सप्ताह का बड़ा ट्रायल हुआ और अधिकांश ने इसे जारी रखा। एक अध्ययन में 141 कंपनियों के 2896 कर्मचारियों को छह देशों ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, ब्रिटेन और अमेरिका में छह महीने तक वेतन कटौती के बिना कम घंटे काम कराया गया। बेल्जियम में कर्मचारियों को समान घंटे चार दिन में पूरा करने का अधिकार मिला है। आइसलैंड में सार्वजनिक क्षेत्र के घंटे कम किए गए हैं। जापान में टोक्यो सरकार ने अप्रैल 2025 से चार दिन की व्यवस्था लागू की ताकि अधिक काम से मृत्यु और घटती जन्म दर की समस्या कम हो। संयुक्त अरब अमीरात, स्पेन, जर्मनी, पुर्तगाल और न्यूजीलैंड में भी प्रयोग हुए हैं। निष्कर्ष रहा कि कम दिन काम से तनाव घटता है और उत्पादकता बढ़ती है।

भारत में बैंककर्मी की हकीकत अलग है। जनधन खाता खोलना, आधार लिंक, केवाईसी, मुद्रा लोन, फसल बीमा, सरकारी सब्सिडी, रिकवरी, ऑडिट और रोज शाम लक्ष्य का दबाव एक ही कर्मचारी झेलता है। कई शाखाओं में सुबह से शाम तक कतार रहती है और लंच तक नहीं मिलता। ट्रांसफर और प्रमोशन की चिंता अलग है। लंबे समय तक बैठने और लक्ष्य के तनाव से स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। यूनियन का कहना है कि इंटरनेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग चलती रहेंगी, लेकिन नकद जमा निकासी और चेक क्लियरिंग जैसी शाखा सेवाएँ प्रभावित होंगी।

दूसरी तरफ जनता की परेशानी बड़ी है। छोटे व्यापारी को 30 सितंबर को चेक क्लियर कराना है। किसान को किसान क्रेडिट कार्ड का पैसा निकालना है। पेंशनर को जीवन प्रमाण पत्र देना है। छात्र को फीस का ड्राफ्ट बनवाना है। गृहिणी को लॉकर से सामान निकालना है। अगर 26 से 30 तक शाखा बंद रही तो ऐसे सब अटकेंगे। एसबीआई ने कहा है कि एटीएम, कैश मशीन, ग्राहक सेवा केंद्र, योनो, मोबाइल बैंकिंग और यूपीआई का उपयोग करें लेकिन बुजुर्ग, ग्रामीण और कम डिजिटल साक्षर ग्राहक आज भी शाखा पर ही निर्भर हैं। एटीएम में दो तीन दिन बाद नकदी की कमी भी हो सकती है।

अर्थव्यवस्था पर असर भी है। अर्धवार्षिक समापन पर सरकारी भुगतान, जीएसटी संग्रह, वेतन पेंशन, छोटे उद्योगों के चेक और बड़े व्यापारिक सौदों का निपटान होता है। समाशोधन धीमा हुआ तो चेक अटकेंगे और ब्याज का नुकसान होगा। आयात निर्यात के दस्तावेजों में देरी हो सकती है। इसलिए यह समय हड़ताल के लिए सबसे संवेदनशील माना जा रहा है। साथ ही ग्राहक सेवा बिंदुओं और बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट नेटवर्क पर अतिरिक्त भार आएगा।

चलती स्लीपर बस में आग, 9 जिंदा जले

बस एमपी के ट्रैवल्स की, इस पर 19 चालान, 1.75 लाख जुर्माना हो चुका

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

नोएडा। नोएडा में बुधवार रात यमुना एक्सप्रेस-वे पर चलती स्लीपर AC बस में आग लगने से 9 यात्रियों की मौत हो गई। इनमें 8 पुरुष और एक महिला है।

बस में कुल 35 यात्री सवार थे। 20 को रेस्क्यू किया गया, जबकि कुछ लोग खिड़कियां तोड़कर निकले। अंदर फंसे लोग बुरी तरह जल गए। उनके शव तक की पहचान नहीं हो पाई है।

हादसे का शिकार हुई बस दिल्ली के कश्मीरी गेट से रात 9:30 बजे महोबा के लिए निकली थी। करीब 11:30 बजे जेवर एयरपोर्ट से 500 मीटर इसमें आग लग गई। पुलिस ने बताया कि बस मध्य प्रदेश के राज

कल्पना ट्रैवल्स की है। इसके 19 चालान हो चुके हैं और ₹1.75 लाख जुर्माना लगाया गया है। पुलिस ने दो ड्राइवर पवन, विनोद और कंडक्टर योगेश को गिरफ्तार किया है। पोस्टमार्टम हाउस से बाहर निकले सर्वज्ञ ने बताया कि उन्होंने पिता देवेंद्र ओर मां रेखा भारद्वाज को कश्मीरी गेट से बैठाया था। जेवर SDM दुर्गेश सिंह ने बताया कि हादसा बेहद दर्दनाक है। आग लगने के बाद कई शव पूरी तरह जल गए हैं। इससे मृतकों की पहचान करने में परेशानी हो रही है। उन्होंने बताया- अलग-अलग जगहों से यात्रियों के बैठने के कारण बस में सवार सभी लोगों की पूरी जानकारी नहीं मिल पा रही है।

बस का पिछला हिस्सा काटकर पहुंचे फायर फाइटर्स

फायर ऑफिसर ने बताया कि फायर ब्रिगेड की 5 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और 45 मिनट में आग बुझाई। फायर फाइटर्स बस का पिछला हिस्सा काटकर अंदर पहुंचे। एक-एक शव बाहर निकाला गया। रेस्क्यू करीब 2 घंटे चला।

बस में सिलेंडर और काफी मात्रा में नेल पॉलिश मिली

बस की डिग्गी में काफी मात्रा में नेल पॉलिश मिली है। नेल पॉलिश एक ज्वलनशील चीज होती है। इससे आग तेजी से भड़कती है। वहीं एक सिलेंडर भी मिला है। जांच के दौरान अफसरों ने कहा कि ऐसी चीजें ले जाने पर मनाही होती है। ऐसे में आशंका है कि सिलेंडर और नेल पॉलिश से भी आग तेजी से फैली होगी। नोएडा चीफ फायर ऑफिसर (CFO) प्रदीप कुमार के मुताबिक शुरुआती जांच में AC में स्पार्क या ब्लास्ट से इंजन में आग लगने की आशंका है। पिता हिसार की एक यूनिवर्सिटी में टीचर थे। वहीं से रिटायर हुए थे। महोबा में दादी का देहांत हो गया था। इसलिए वहां जा रहे थे। लेकिन ये घटना हो गई।

बस में सवार यात्री सुनील कुमार ने पुलिस को बताया कि ड्राइवर-क्लीनर सिगरेट पी रहे थे। यात्रियों ने विरोध किया तो दोनों हंसने लगे। बस में जलने की गंध भी आ रही थी, कुछ देर बाद उसमें आग लग गई। आग के बावजूद ड्राइवर ने तुरंत बस नहीं रोकी। यात्रियों के शीशे तोड़ने के बाद ही उसे रोका गया।

ये सर्वज्ञ के पिता देवेंद्र की तस्वीर है।

चकबंदी प्रक्रिया में मनमानी पर सख्ती

क्षेत्राधिकार खत्म होने के बाद आदेश देने पर कार्रवाई

चकबंदी आयुक्त ने जारी किए दिशा-निर्देश, धारा-6 के तहत प्रक्रिया रद्द होने पर सभी वाद होंगे उपशमित; धारा-52 के बाद नई आपत्तियों पर रोक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में चकबंदी प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने और चकबंदी प्राधिकारियों के न्यायिक क्षेत्राधिकार का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिए चकबंदी आयुक्त डॉ. हृषिकेश यशोद ने महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि चकबंदी प्रक्रिया समाप्त या रद्द होने के बाद चकबंदी अधिकारियों का क्षेत्राधिकार भी समाप्त हो जाता है। ऐसे मामलों में क्षेत्राधिकार से बाहर जाकर आदेश पारित करने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उत्तर प्रदेश जोत चकबंदी अधिनियम-1953 की धारा-6(1) के तहत किसी गांव में चकबंदी प्रक्रिया रद्द होने की स्थिति में चकबंदी प्राधिकारियों का क्षेत्राधिकार समाप्त हो जाएगा। धारा-6(2) के प्रावधानों के अनुसार चकबंदी रद्द होने के बाद विचाराधीन वाद स्वतः उपशमित हो जाएंगे। इसके साथ ही ग्राम से संबंधित सभी अभिलेख तत्काल तहसील प्रशासन को वापस सौंपने होंगे। निर्देशों में कहा गया है कि चकबंदी प्रक्रिया समाप्त होने के बाद अभिलेखों में किए गए अंतिम संशोधन आदेशों की प्रमाणित सूचियां भी तैयार की जाएंगी।

फास्ट न्यूज

कानपुर महापौर मंगल भवन की कमेटी भंग करने पर भड़कीं

कानपुर। बेनाझावर के ब्रजेंद्र स्वरूप पार्क में बने मंगल भवन की कमेटी भंग किए जाने को लेकर गुरुवार को महापौर प्रमिला पांडेय ने नगर आयुक्त के फैसले पर नाराजगी जताई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में महापौर ने कहा कि कमेटी को भंग करने का निर्णय नगर निगम की कार्यकारिणी और सदन की स्वीकृति के बिना लिया गया है, जो पूरी तरह गलत है। उन्होंने कहा कि इस मामले की शिकायत शासन से की जाएगी।

शिक्षकों के बकाया भुगतान को मंजूरी मिली

मुरादाबाद। मुरादाबाद में माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की लंबित समस्याओं को लेकर डीआईओएस कार्यालय ने स्थिति साफ की है। जिला विद्यालय निरीक्षक ने शिक्षक संघ के जिला मंत्री पुष्पेश मिश्रा को पत्र भेजकर अब तक हुई कार्रवाई की जानकारी दी। डीआईओएस ने बताया कि कई मामलों में भुगतान की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, जबकि बाकी समस्याओं का भी जल्द समाधान किया जाएगा। पत्र के मुताबिक, साल 2004-05 में नियुक्त होकर एनपीएस से जीपीएफ में शामिल हुए शिक्षकों के डीए एरियर की जांच चल रही है।

भैंसों से भरी पिकअप पलटी, ड्राइवर की मौत

मथुरा। मथुरा के सुरीर थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह करीब 11 बजे एक पिकअप बोलेरो बेकाबू होकर सड़क किनारे खेत में पलट गई। यह पिकअप भैंसों को लेकर अलीगढ़ जा रही थी। इस हादसे में पिकअप के चालक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने काफी कोशिश के बाद दोनों को गाड़ी से बाहर निकाला। हादसे में एक भैंस भी पिकअप के अंदर दब गई थी।

चित्रों में बच्चों ने उकेरा 'मेरे सपनों का भारत'

किसी ने स्वच्छ भारत तो किसी ने विकसित राष्ट्र की कल्पना को रंगों में सजाया

तमसा संकेत, संवाददाता

बलदेव। विकास खंड बलदेव के पूर्व माध्यमिक विद्यालयों, पीएम श्री स्कूलों और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में 'मेरे सपनों का भारत' चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने अपनी कल्पनाओं और प्रतिभा को रंगों के जरिए कागज पर उतारा। पूर्व माध्यमिक विद्यालय किशनपुर में नोडल एआरपी गीता रावत ने प्रतियोगिता का अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों के बनाए चित्र देखे और उनसे संवाद कर उनकी कल्पनाओं व विचारों को जाना। विद्यार्थियों की प्रतिभा और विद्यालय स्टाफ के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने बच्चों को नियमित मेहनत और लगन से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय परिसर में स्वच्छता औरबेहतर शैक्षिक

वातावरण देखकर गीता रावत ने विद्यालय परिवार की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि बच्चों की कल्पना-शीलता को अवसर मिलने से उनके भीतर आत्मविश्वास और रचनात्म-कता विकसित होती है। प्रतियोगिता के दौरान भाजपा द्वारा नामित पदाधिकारी भी विभिन्न विद्यालयों में पहुंचकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन कर रहे हैं। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि सुरेंद्र सिंह, वीरेंद्र, अभिभावक मोर मुकुट, श्याम सुंदर, भीम प्रकाश, प्रधानाध्यापक कृष्ण कुमार शर्मा समेत राम प्रकाश, ओम नारायण, राजेंद्र, योगेश कुमार, कृष्णकांत और सरिता आदि मौजूद रहे।

बहू बेगुनाह निकली, बेटा बोला-पिता के कई महिलाओं से अफेयर थे

करोड़पति कारोबारी की हत्या बेटे ने कराई थी

शालू रोती रही, पति सुब्रत ने नजर तक नहीं मिलाई

पूछताछ के दौरान शालू लगातार सुब्रत को देखती रही। लेकिन सुब्रत ने उसकी ओर नहीं देखा। जब सुब्रत ने पिता की हत्या का आरोप शालू पर लगाया तो वह रो पड़ी। उसने कहा- खुद को बचाने के लिए मुझे फंसा दिया। उसे सुब्रत पर भरोसा था, लेकिन अब उसका विश्वास टूट गया है। शालू ने कहा कि वह हैरान है कि विशाल ने उसका नाम किसके कहने पर लिया। शालू ने अपने पहले बयान को दोहराते हुए कहा- उसने ससुर विनीत मिनोचा की हत्या नहीं करवाई। ससुर से उसके अच्छे संबंध थे। उन्हें शुगर थी, इसलिए वह उनका पूरा ख्याल रखती थी।

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में करोड़पति दवा कारोबारी विनीत मिनोचा (63) हत्याकांड में बड़ा खुलासा हुआ है। हत्या बेटे सुब्रत (35) ने करवाई थी। बहू शालू (32) बेगुनाह निकली। गुरुवार को पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया- सुब्रत ही हत्या का मास्टरमाइंड है। बहू की रिहाई के लिए पुलिस कोर्ट में अर्जी दाखिल करेगी। पूछताछ में सुब्रत ने बताया- पिता रंगीन मिजाज के थे। कई महिलाओं से उनके संबंध थे। इसी वजह से मां अलग रहती थीं। पिता ने उसे महिलाओं के साथ गोवा में पार्टी की फोटो भी

दिखाई थी। सुब्रत को डर था कि पिता किसी महिला से शादी कर लेंगे। इससे करोड़ों की संपत्ति का दूसरा वारिस हो जाएगा। इसी आशंका में उसने पिता की हत्या की साजिश रची और नौकर से हत्या करवा दी।5 सितंबर को कारोबारी की हत्या हुई थी। पुलिस ने नौकर विशाल और उसके साथी राज किशोर को CCTV से पकड़ा था। दोनों ने पूछताछ में कहा था- शालू के कहने पर हत्या की। बुधवार को पुलिस ने शालू, विशाल और राज किशोर को 24 घंटे की रिमांड पर लिया। शालू और विशाल से कल्याणपुर थाने में सुब्रत का आमना-सामना कराया। इसी दौरान विशाल ने बताया- सुब्रत के कहने पर ही विनीत की हत्या की थी।

पुलिस ने कारोबारी के बेटे सुब्रत मिनोचा को पिता की हत्या करवाने के आरोप में अरेस्ट कर लिया है।

बेटा सुब्रत शराब-जुआ का लती, 40 लाख का कर्ज था

पुलिस कमिश्नर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया- सुब्रत शराब, जुआ और सट्टे का लती था। महंगे शौक और स्टेटस सिंबल के लिए वह कर्ज में डूबता गया। उसने बैंकों से 40 लाख रुपए का लोन ले रखा था, जिसकी 55 हजार रुपए मासिक किस्त थी।

पिता उसे खर्च के लिए हर महीने 40 हजार रुपए देते थे। शालू ने पति का कर्ज चुकाने के लिए अपने पिता नरेश अरोड़ा से भी सुब्रत को 14 लाख रुपए दिलाए थे।

अघोरी के भेष में बाबा ने कारोबारी से की ठगी

झांसी में भभूत लगाई, फिर 10 ग्राम सोना और नगदी लेकर फरार

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। झांसी में अघोरी के भेष में आए एक शख्स ने सर्राफा कारोबारी से करीब 1.67 लाख रुपए की ठगी कर ली। कारोबारी दुकान में अकेला बैठा था। तभी गले में फूलों की माला, माथे पर काला टीका और शरीर पर राख लगाए शख्स वहां पहुंचा। शख्स ने कारोबारी से पायल दिखाने को कहा। इसके बाद वह धीरे-धीरे कारोबारी के भविष्य और पुरानी घटनाओं के बारे में बताने लगा।

बातचीत के दौरान उसने कारोबारी के माथे पर भभूत लगाई और उसे अपनी बातों में उलझाए रखा। बातचीत के दौरान कारोबारी ने उसे 10 ग्राम सोना और 50 हजार रुपए की गड्डी दी। शख्स ने गड्डी में से 17 हजार रुपए निकाल लिए और बाकी पैसे वापस कर दिए। इसके बाद सोना लेकर

दुकान से फरार हो गया। घटना बुधवार दोपहर करीब 12 बजे मऊरानीपुर थाना क्षेत्र के सर्राफा बाजार की है। यहां गांधीगंज निवासी संतोष रायकवार की एएमजे ज्वैलर्स के नाम से दुकान है।

घटना का CCTV फुटेज गुरुवार को सामने आया। पीड़ित कारोबारी ने थाने में तहरीर दी है। पुलिस CCTV फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान और तलाश में जुटी है। 6.22 मिनट के CCTV फुटेज में संतोष दुकान में बैठे नजर आ रहे हैं। सामने अघोरी बाबा मंत्र पढ़ रहा है। कुछ देर बाद संतोष गल्ले से एक पुड़िया निकालकर उसे देते हैं। कारोबारी के मुताबिक, उसमें 10 ग्राम सोना था। बाबा पुड़िया लेकर मंत्र पढ़ता है। इसी दौरान संतोष उठकर जाने लगते हैं, लेकिन बाबा उन्हें बैठा देता है। इसके बाद पुड़िया लौटाते हुए आशीर्वाद देता है।

उनके सिर को चूमता है। बाबा गड्डी पर फूंक मारता है। उसमें से 17 हजार रुपए निकाल लेता है। बाकी रकम संतोष को वापस कर देता है। इसके बाद झोली से कुछ निकालकर रुपयों में डालता है और कारोबारी के सिर पर भभूत लगाता है। फिर वह संतोष से कहता है- बोलो- खा जा।

इसके बाद रुपयों को खाने का ड्रामा करता है। आखिर में जयकारे लगाते हुए दुकान से चला जाता है।

कारोबारी ने सम्मोहन का जताया शक

बाबा के जाने के बाद संतोष ने घरवालों और आसपास के दुकानदारों को बुलाया। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। संतोष के मुताबिक, बाबा के मंत्र पढ़ने के बाद से उन्हें कुछ समझ नहीं आ रहा था। उनके साथ क्या हो रहा है। 10 ग्राम सोने की कीमत करीब डेढ़ लाख रुपए है।

सीओ रत्नेश्वर सिंह ने बताया- शुरुआती जांच में सम्मोहन जैसी कोई बात सामने नहीं आई है। कारोबारी बातों में आकर खुद पैसे और सामान देता हुआ दिखाई दे रहा है। यह सीसीटीवी फुटेज में भी नजर आ रहा है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की जा रही है।

पीड़ित कारोबारी ने मऊरानीपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

परिवार की बातें बताकर भरोसे में लिया

बाबा संतोष का नाम पूछता है और परिवार से जुड़ी बातें बताता है। वह कहता है- दो भाई हैं, एक बहन है, शादी हो गई है और एक बच्चा है। संतोष हर बात पर हां में जवाब देते हैं। इसके बाद बाबा कहता है- जहां से धन निकाला था, वहां माया है। दर्शन कराओ। संतोष गल्ला खोलकर 10 रुपए देते हैं, लेकिन बाबा लेने से मना कर देता है। फिर 500 रुपए की गड्डी दिखाने पर वह उसे हाथ में ले लेता है।

प्रयागराज रोजगार मेले में 1500 युवाओं ने कराया रजिस्ट्रेशन

प्रयागराज। प्रयागराज में नौकरी ढूंढ रहे युवाओं के लिए गुरुवार का दिन खुशी लेकर आया। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय में रोजगार महोत्सव-2026 का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने कंपनियों में इंटरव्यू दिए। दोपहर दो बजे तक 1500 से ज्यादा युवाओं ने रजिस्ट्रेशन कराया था। मेले में शामिल 22 कंपनियों ने करीब 3000 खाली पदों के लिए उम्मीदवारों का चयन किया। सहायक निदेशक सेवायोजन राजीव कुमार यादव ने मौके पर ही चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए। इस रोजगार मेले में मैन्युफैक्चरिंग, सर्विस और बैंकिंग जैसे कई सेक्टर की कंपनियां शामिल हुईं। कक्षा आठ पास से लेकर हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट और आईटीआई पास युवाओं को नौकरी का मौका मिला। मेले में 18 से 30 साल तक के उम्मीदवार शामिल हुए। कंपनियों ने पद के हिसाब से 30 हजार रुपये तक महीने की सैलरी वाली नौकरियां दीं।

विरोध : जमीन पर लेटकर नारेबाजी की, पुलिस से धक्का-मुक्की, कपड़े फाड़ने व अभद्रता का आरोप

68,500 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थी बीजेपी दफ्तर में घुस

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने गुरुवार को बीजेपी कार्यालय में घुसकर प्रदर्शन किया। अभ्यर्थी जमीन पर लेट गए और सिर पर 'आरक्षण घोटाला' लिखी टोपी पहनकर सीटी बजाते हुए नारेबाजी की। करीब आधे घंटे तक चले प्रदर्शन के दौरान पुलिस और अभ्यर्थियों में धक्का-मुक्की और नोकझोंक हुई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर जबरन हटाने, कपड़े फाड़ने और बदसलूकी का आरोप लगाया। अभ्यर्थी 2018 की भर्ती में आरक्षण का लाभ देने और 5% छूट के आधार पर संशोधित चयन सूची जारी करने की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थियों ने 'ऐसी क्या मजबूरी है-आरक्षण की चोरी है' और 'पिछड़ा आयोग ने माना है-आरक्षण घोटाला है' जैसे नारे

आशुतोष ने कहा कि हमारी मांग है कि आयोग के आदेशों का पालन किया जाए। वर्ष 2018 में भर्ती निकली थी, तभी हमने फॉर्म भरा था। इसके बाद से आज तक नौकरी की उम्मीद में 8 साल से सिर्फ चप्पल घिस रहे हैं।

'बैठक होती है, समाधान नहीं निकलता'

अयोध्या से आए आदर्श ने बताया कि 8 सालों से भारतीय जनता पार्टी के सपोर्टर और सदस्य हैं। फिर भी नौकरी के लिए दर दर कि ठोकर खा रहे हैं। हम लोग लंबे समय से इको गार्डन प्रदर्शन कर रहेहैं। शिक्षा मंत्री की आवास जाते हैं वह बुला बुला कर बैठक करते हैं मगर कोई भी समस्या का समाधान नहीं निकलता।

लगाए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को कार्यालय से हटाने की कोशिश की। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की हुई। पुलिस ने सभी प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में दिव्यांग अभ्यर्थी भी शामिल थे। प्रदर्शनका-रियों के मुताबिक, वर्ष 2018 में 68,500 सहायक शिक्षकों की भर्ती निकाली गई थी।

8 साल से नौकरी का इंतजार

सीतापुर से आए आशुतोष वर्मा ने कहा कि हम पिछले 8 साल से नौकरी के लिए भटक रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती में बड़े स्तर पर आरक्षण घोटाला हुआ है। राज्य और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने भी आरक्षण में गड़बड़ी की बात मानते हुए नियमों का पालन करने का आदेश दिया है।

सरोजनीनगर की धरती पर मुख्यमंत्री का स्वागत

12 हजार करोड़ की परियोजनाओं से लखनऊ के विकास को मिलेगी नई गति

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। सरोजनीनगर की धरती पर लखनऊ की करीब 12,000 करोड़ की आवासीय एवं शहरी विकास परियोजनाओं के शुभारंभ एवं शिलान्यास के अवसर पर सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। इन महत्वपूर्ण परियो-जनाओं से लखनऊ के सुनियोजित विकास को नई गति मिलने के साथ आधुनिक आवासीय सुविधाओं और बेहतर शहरी अवसंरचना का विस्तार होगा।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि

सरोजनीनगर की धरती पर मुख्यमंत्री का आगमन क्षेत्रवासियों के लिए गर्व और उत्साह का विषय है। उन्होंने कहा कि लखनऊ के विकास से जुड़ी इतनी बड़ी परियोजनाओं का शुभारंभ और शिलान्यास प्रदेश में तेजी से हो रहे विकास कार्यों को दर्शाता है। उन्होंने सरोजनीनगर को विकास की सौगात से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया।

विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। इस अवसर पर उन्होंने कठिन मौसम के बावजूद कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचे सरोजनीनगर के लोगों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और सहयोगियों का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनता का स्नेह और विश्वास ही क्षेत्र के विकास कार्यों को आगे बढ़ाने की सबसे बड़ी ताकत है।

एएसआई कार्यालय के गेट पर चढ़े सपा कार्यकर्ता

बंदर-कुत्तों के आतंक के खिलाफ प्रदर्शन, पर्यटकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया

नारेबाजी

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। ताजमहल में पर्यटकों की सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। महानगर अध्यक्ष शब्बीर अब्बास के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने फूल सैय्यद चौराहा से पैदल मार्च शुरू किया और मॉल रोड स्थित ASI कार्यालय पहुंचे। यहां कार्यकर्ताओं ने करीब एक घंटे तक धरना दिया और ताजमहल परिसर की व्यवस्थाओं को लेकर विभाग व प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने विशेष रूप से बंदरों और आवारा कुत्तों से पर्यटकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया। सपा कार्यकर्ता ढोल लेकर प्रदर्शन में

पहुंचे। पैदल मार्च के दौरान कार्यकर्ताओं ने ताजमहल में पर्यटकों को होने वाली परेशानियों और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को लेकर नारेबाजी की। ASI कार्यालय पहुंचने के बाद कार्यकर्ताओं ने परिसर के बाहर धरना शुरू कर दिया। प्रदर्शन के दौरान कुछ गुस्साए कार्यकर्ता ASI कार्यालय के गेट पर भी चढ़ गए। इससे मौके पर कुछ देर के लिए हलचल की स्थिति बनी रही। बाद में प्रदर्शनकारियों ने अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर ताजमहल आने वाले पर्यटकों की सुरक्षा और सुविधाओं में सुधार की मांग की। करीब एक घंटे तक धरना और प्रदर्शन के बाद सपा कार्यकर्ताओं

बंदरों की बढ़ती संख्या का मुद्दा उठाया

सपा कार्यकर्ताओं का कहना था कि आगरा की पहचान दुनिया भर में ताजमहल से है। देश-विदेश से रोज बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचते हैं, ऐसे में उनकी सुरक्षा और सुविधाओं का ध्यान रखना जरूरी है। प्रदर्शनकारियों ने ताजमहल परिसर और आसपास बंदरों की बढ़ती संख्या का मुद्दा उठाया। उनका कहना था कि बंदर आए दिन पर्यटकों को परेशान करते हैं। कई बार पर्यटक डर जाते हैं और उनके सामान को लेकर भी परेशानी होती है।

66 प्रदर्शन के दौरान सपा कार्यकर्ताओं ने ढोल बजाकर अपनी मांगों की ओर ध्यान आकर्षित किया। कार्यकर्ताओं ने अरक कार्यालय के बाहर करीब एक घंटे तक नारेबाजी की। उनका कहना था कि प्रदर्शन का उद्देश्य विभाग और प्रशासन का ध्यान ताजमहल की व्यवस्थाओं की ओर खींचना है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि पर्यटकों की सुरक्षा से जुड़े मामलों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए और समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी व्यवस्था बनाई जानी चाहिए।

ने ASI अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में ताजमहल परिसर में पर्यटकों की सुरक्षा और सुविधाओं को बेहतर बनाने की मांग की गई। कार्यकर्ताओं ने बंदरों और आवारा कुत्तों से होने वाली घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक इंतजाम करने पर जोर दिया। इसके साथ ही ताजमहल आने वाले पर्यटकों को बेहतर और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने की मांग उठाई। प्रदेश सचिव राहुल चतुर्वेदी ने कहा कि प्रदर्शन का उद्देश्य ASI और प्रशासन का ध्यान ताजमहल की व्यवस्थाओं की ओर

खींचना है। उन्होंने कहा कि ताजमहल देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक आगरा पहुंचते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी है। उन्होंने बंदरों और आवारा कुत्तों के काटने की घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी इंतजाम किए जाने की मांग की।

उपज की बैठक में पत्रकार हितों और संगठन की मजबूती पर मंथन

बाद में पदाधिकारियों और सदस्यों ने साथ देखी फिल्म

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट्स (उपज) की जिला एवं मवाना तहसील कार्यकारिणी की मासिक बैठक बुधवार को तहसील अध्यक्ष संचित अरोड़ा के नेतृत्व में आयोजित की गई। बैठक में संगठन की गतिविधियों के साथ पत्रकारों से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने संगठन को और अधिक सक्रिय व मजबूत बनाने के लिए आपसी समन्वय और सभी सदस्यों की सहभागिता को जरूरी बताया। बैठक में जिलाध्यक्ष अजय चौधरी ने आगामी संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने पत्रकार हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती तभी संभव है, जब सभी पदाधिकारी और सदस्य अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सक्रिय रहें। उन्होंने संगठन

के सदस्यों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने और पत्रकारों से जुड़े विषयों को प्राथमिकता के साथ उठाने पर जोर दिया। बैठक के दौरान पत्रकारों की समस्याओं, संगठन के आगामी कार्यक्रमों और स्तर पर किए जाने वाले कार्यों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। पदाधिकारियों ने संगठन की गतिविधियों को प्रभावी तरीके से आगे बढ़ाने और सदस्यों को एकजुट रखने पर भी चर्चा की। इस दौरान आपसी सहयोग और समन्वय के माध्यम से संगठन को और मजबूत करने की बात कही गई।

फास्ट न्यूज

आगरा में 2 दिन रूट तक ट्रैफिक डायवर्जन लागू

आगरा। आगरा में गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए कमिश्नरेट पुलिस ने ट्रैफिक प्लान जारी किया है। 24 और 25 सितंबर को हाथीघाट, बल्केश्वर घाट और कैलाश घाट पर विसर्जन होगा। 24 सितंबर सुबह 6 बजे से कार्यक्रम खत्म होने तक यमुना किनारा मार्ग पर यातायात व्यवस्था बदली रहेगी। वाटर वर्क्स चौराहे से श्मशान घाट चौराहे तक वाहनों की आवाजाही नहीं होगी। पुलिस ने भीड़ वाले क्षेत्रों से गुजरने वाले वाहनों के लिए अलग-अलग वैकल्पिक रास्ते तय किए हैं।

अलीगढ़ में गणेश प्रतिमा विसर्जन को लेकर डायवर्जन

अलीगढ़। गणेश चतुर्थी पर शहर में सजाए गए गणेश पंडालों की प्रतिमाओं का शुक्रवार को विसर्जन होगा। बड़ी संख्या में प्रतिमाएं रामघाट रोड से होकर अलीगढ़ से करीब 50 किलोमीटर दूर बुलंदशहर सीमा के आसपास स्थित गंगा घाटों तक जाएंगी। रामघाट रोड पर विसर्जन जुलूस और श्रद्धालुओं की भीड़ के चलते यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए यातायात पुलिस ने सुबह 5 बजे से विसर्जन कार्यक्रम समाप्त होने तक भारी वाहनों और बसों के प्रवेश पर रोक लगाई है। शहर की ओर आने वाले वाहनों को अलग-अलग स्थानों से डायवर्ट किया जाएगा।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का अलीगढ़ दौरा रद्द

अलीगढ़। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का गुरुवार को अलीगढ़ आने का कार्यक्रम रद्द हो गया है। पहले उनके दोपहर 2:15 बजे राजकीय वायुयान से अलीगढ़ एयरपोर्ट पहुंचने का कार्यक्रम था। इसके बाद पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं से संवाद के साथ विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक प्रस्तावित थी। डिप्टी सीएम को सांगवान सिटी में विधान परिषद सदस्य ऋषिपाल सिंह के आवास और इसके बाद सर्किट हाउस जाना था।

आईपीईसी में मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर, 220 छात्रों की हुई स्वास्थ्य जांच

तमसा संकेत, संवाददाता

साहिबाबाद। इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज (आईपीईसी) में छात्रों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और उन्हें निवारक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। सी-ब्लॉक स्थित सीएसई सेमिनार हॉल में आयोजित शिविर में 220 छात्रों ने विभिन्न स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श का लाभ उठाया। शिविर का आयोजन मैक्स हेल्थकेयर, डॉ. अग्रवाल आई हॉस्पिटल और क्लोव डेंटल के सहयोग से रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद नॉर्थ के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। मैक्स हेल्थकेयर की टीम ने 220 छात्रों की स्वास्थ्य जांच कर चिकित्सकीय परामर्श दिया। वहीं, डॉ. अग्रवाल आई हॉस्पिटल की ओर से 220 छात्रों की आंखों की जांच की गई, जबकि क्लोव डेंटल की टीम ने 100 छात्रों का दंत परीक्षण किया। इस अवसर पर आईपीईसी के वाइस चेयरमैन

पुनीत अग्रवाल ने कहा कि छात्रों ने शिविर में उत्साहपूर्वक भाग लिया और उपलब्ध कराई गई विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डीन एकेडमिक्स प्रो. (डॉ.) अमित जैन ने कहा कि नियमित स्वास्थ्य जांच और निवारक स्वास्थ्य उपायों के प्रति छात्रों में जागरूकता विकसित करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने शिविर में छात्रों की सक्रिय भागीदारी और सहयोग की सराहना की। शिविर के दौरान स्वास्थ्य विशेषज्ञों की देखरेख में छात्रों की विभिन्न जांच और परामर्श किए गए।

आगरा कलक्ट्रेट में नारेबाजी, 50% महिला आरक्षण और कोटे में कोटा की मांग

आरक्षण के मुद्दे पर आजाद समाज पार्टी का प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में गुरुवार को आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने आरक्षण के मुद्दे पर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता सुभाष पार्क से नारेबाजी करते हुए कलक्ट्रेट पहुंचे। यहां उन्होंने आरक्षण का कोटा पूरा करने, महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने और ओबीसी वर्ग को आरक्षण का लाभ सुनिश्चित करने की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने कलक्ट्रेट परिसर में सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। 'जय भीम' और 'अधिकार हमारा, आरक्षण हमारा' जैसे नारे लगाए गए। कार्यकर्ताओं ने कहा कि आरक्षण को कमजोर

आजाद समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष सौरभ दयाल ने कहा कि पार्टी के निर्देश पर देशभर में जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन कर ज्ञापन दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी की मांग है कि आरक्षण खत्म न किया जाए और बहुजन वर्ग के अधिकार सुरक्षित रहें। उन्होंने महिला आरक्षण का मुद्दा भी उठाया। पार्टी की घोषित मांगों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण और दलित, आदिवासी व पिछड़े वर्ग की महिलाओं के लिए आरक्षण में अलग हिस्सेदारी यानी 'कोटे के अंदर कोटा' शामिल है।

या खत्म करने की कोशिश का विरोध किया जाएगा। कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार से आरक्षण से जुड़े प्रावधानों को बनाए रखने और बहुजन वर्ग के अधिकार सुरक्षित करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि आरक्षण को खत्म करने के बजाय इसे प्रभावी तरीके से लागू किया जाना चाहिए। इस दौरान 'आरक्षण हम छीन के रहेंगे' और 'अधिकार हमारा, आरक्षण हमारा' जैसे नारे भी लगाए गए। आजाद समाज पार्टी ने 24 सितंबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर 'संपूर्ण भागीदारी आंदोलन' का कार्यक्रम घोषित किया था। पार्टी की ओर से आरक्षण, ओबीसी और महिला

- कलेक्ट्रेट में भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया।
- जिला अध्यक्ष सौरभ दयाल ने कहा- आरक्षण खत्म न किया जाए और बहुजन वर्ग के अधिकार सुरक्षित रहें।

आरक्षण समेत सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दे उठाने की बात कही गई थी। पार्टी प्रमुख चंद्रशेखर आजाद ने दावा किया कि दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर प्रस्तावित प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी। इसके बाद उन्होंने 24 सितंबर को देशभर के जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन का आह्वान किया। इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि के लिए दिल्ली पुलिस की विस्तृत आधिकारिक वजह उपलब्ध रिपोर्टों में स्पष्ट नहीं है। पार्टी के अनुसार, 24 सितंबर का दिन पूना पैक्ट की वर्षगांठ से भी जुड़ा है। इसी दिन जिला स्तर पर प्रदर्शन कर आरक्षण और सामाजिक न्याय से जुड़ी मांगें उठाई गईं।

'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत तहसील स्तरीय चित्रकला

कक्षा 11 की पद्माक्षी ने भाषण प्रतियोगिता में हासिल किया प्रथम स्थान

तमसा संकेत, संवाददाता

बलदेव (मथुरा)। राजकीय इंटर कॉलेज दघेटा में 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत तहसील महावन स्तरीय चित्रकला-पोस्टर, भाषण एवं क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में तहसील क्षेत्र के 12 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

चित्रकला-पोस्टर प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में कपिल ने प्रथम, काजल भरंगर ने द्वितीय तथा गीता कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर वर्ग में वैष्णवी गोस्वामी प्रथम, हिमानी द्वितीय तथा चिकी सैनी तृतीय रहीं। भाषण प्रतियोगिता में श्री गुरु कार्ष्णि इंटर कॉलेज, महावन की कक्षा 11 की छात्रा पद्माक्षी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। काजल ने द्वितीय तथा गुंजन शर्मा ने

तृतीय स्थान हासिल किया। क्विज प्रतियोगिता में अंकुश शर्मा प्रथम, नीतू कुमारी द्वितीय तथा भारती तृतीय स्थान पर रहीं।

पद्माक्षी के प्रथम स्थान प्राप्त करने पर श्री गुरु कार्ष्णि इंटर कॉलेज के प्रबंधक डॉ. सुरेंद्र शर्मा ने छात्रा को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय परिवार ने भी छात्रा की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा रहे। राजकीय इंटर कॉलेज दघेटा के प्रधानाचार्य भवानी शंकर जांगिड़ तथा प्रतियोगिता की नोडल प्रभारी श्रीमती रागिनी शर्मा सहित शिक्षक उपस्थित रहे। इस अवसर पर बृजेश अग्निहोत्री, अवधेश कुमार, स्मृति दीक्षित, विनीता वर्मा, डॉ. मोहिनी, प्रेरणा, अजय कुमार सिंह, शिवाजी यादव, विनोद कुमार शुक्ला, विश्वजय सिंह, वीरेंद्र राम मौर्य, भानु प्रकाश एवं दीपचंद सहित शिक्षक एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

मथुरा नगर, महावन, गोवर्धन, छाता और फरह में तहसील स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित

'मेरे सपनों का भारत' में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत गुरुवार को जिले की विभिन्न तहसीलों में 'मेरे सपनों का भारत' एवं विकसित भारत विषय पर तहसील स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मथुरा नगर, महावन, गोवर्धन, छाता और फरह में आयोजित कार्यक्रमों में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने चित्रकला, पोस्टर, भाषण और सामान्य ज्ञान प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मथुरा नगर में श्रीकृष्ण चंद्र गांधी विद्यालय, माधव कुंज में आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले विद्यालयों के 105 छात्र-छात्राओं और 16 अध्यापकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं वंदना

से हुआ। प्रधानाचार्य विनय कुमार और राजीव जी के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में नोडल अधिकारी एवं प्रधानाध्यापिका कविता सक्सेना ने प्रस्ताविकी प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि मंडल अध्यक्ष कृष्णा नगर राजू चौधरी ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। इसके बाद भाषण, पुरस्कार वितरण और वंदे मातरम् के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। मथुरा नगर के परिणाम में भाषण प्रतियोगिता में प्रिया (राधा माधव) प्रथम, लोहिता (केएमपीएस) द्वितीय और तबीबा बेग (केएमपीएस) तृतीय रहीं। सामान्य ज्ञान में रौनक (न.नि.बा.इ.का. वृंदावन) प्रथम, वैभव गोविन्द (न.नि.बा.इ.का.) द्वितीय और श्रीकान्त (किशोरी रमण) तृतीय रहे। कक्षा 6 से 8 की चित्रकला में खुशी/हिमांशी (केएमपीएस) प्रथम, विजेन्द्र पाल (केआरजीआईसी) द्वितीय और शोभा (केआरजीआईसी) तृतीय रहीं। कक्षा 9 से 12 के पोस्टर वर्ग में अनिका/तान्या (केएमपीएस) प्रथम, गौरी माहौर (न.नि.बा.इ.का.) द्वितीय और प्रिया गौतम (प्रेम देवी गर्ल्स) तृतीय रहीं। महावन तहसील में राजकीय हाईस्कूल दघेटा में प्रतियोगिताएं हुईं। क्विज प्रतियोगिता में अंकुश शर्मा (एसकेडीए इंटर कॉलेज पचावर) प्रथम, तनु कुमारी (राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दघेंटा) द्वितीय और भारती (राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बलदेव) तृतीय रहीं। वरिष्ठ वर्ग की पोस्टर/चित्रकला प्रतियोगिता में कपिल (राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्योंही) प्रथम, काजल भरंगर (एसकेडीए इंटर कॉलेज पचावर) द्वितीय और गीता कुमारी (मनकामेश्वरी इंटर कॉलेज राया) तृतीय रहीं। जूनियर वर्ग में वैष्णवी गोस्वामी और हिमांशी (पं. एचएलबीएल इंटर कॉलेज गोसना) ने क्रमशः प्रथम व द्वितीय तथा चिंकी सैनी (जीजीआईसी बलदेव) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

पृष्ठ 01 का शेष...

मुख्य चुनाव आयुक्त ...

इस दौरान ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से 13 करोड़ से ज्यादा नाम काटे गए। नया वोटर बनने के लिए Form-6 में एक नया सवाल जोड़ा गया था। इसमें पूछा गया कि क्या आवेदक या उसके माता-पिता/दादा-दादी का नाम पिछली SIR वाली वोटर लिस्ट में था। इस सवाल का जवाब देना जरूरी था। जवाब न देने पर प्रोसेस आगे नहीं बढ़ती। विवेक जोशी ने मई में कहा कि नियम बदले बिना Form-6 में ऐसा बदलाव नहीं किया जा सकता। संधू ने भी सहमति जताई। इसके बावजूद बदलाव हुआ। 13 अगस्त को संधू ने इसे 'अनधिकृत और गैरकानूनी' बताते हुए हटाने की मांग की। चुनाव आयोग के मुताबिक, वोटर लिस्ट तैयार करने की जिम्मेदारी विधानसभा स्तर के ERO की होती है। लेकिन संधू और जोशी ने सवाल उठाया कि क्या ERO की वोटर डेटाबेस तक पहुंच धीरे-धीरे सीमित की जा रही है? जोशी ने वोटर डेटाबेस के 'धीरे-धीरे दिल्ली में केंद्रीकरण' पर सवाल उठाया। संधू ने भी कहा कि कई राज्य अधिकारी ERONet पर पूरी पहुंच नहीं होने की बात कह रहे हैं। दोनों ने सिस्टम की सुरक्षा और किसे डेटा बदलने की अनुमति है, इसकी जांच की मांग की। पश्चिम बंगाल में SIR के दौरान करीब 60 लाख वोटरों के रिकॉर्ड में गड़बड़ी मिली। जांच के बाद करीब 27 लाख नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हटाए गए नामों और दोबारा जोड़े गए नामों को लेकर करीब 38 लाख अपीलें ट्रिब्यूनल के सामने पहुंचीं। संधू ने सवाल उठाया कि इन अपीलों में करीब 16 लाख अपीलें किसने और किसकी अनुमति से दायर कीं? उन्होंने कहा कि न तो उन्हें, न जोशी और न ही पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को इसकी पूरी जानकारी दी गई थी। गोवा में SIR के दौरान सॉफ्टवेयर ने कुछ वोटरों के रिकॉर्ड में गड़बड़ी दिखाई। सुनवाई के बाद ERO ने 97 वोटरों को योग्य पाया, लेकिन उन्हें वोटर लिस्ट में दोबारा जोड़ने का विकल्प सॉफ्टवेयर में नहीं था। गोवा के अधिकारियों ने दिल्ली स्थित चुनाव आयोग को 11 से 17 फरवरी के बीच आठ बार ईमेल किया, लेकिन अंतिम वोटर लिस्ट जारी होने तक सिस्टम में जरूरी बदलाव नहीं हुआ। नतीजतन ये 97 योग्य वोटर अंतिम लिस्ट में शामिल नहीं हो सके। राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी ने मीडिया से बात की। सुधांशु ने कहा- राहुल गांधी ने कहा कि मैं 50 साल से राजनीति समझ रहा हूं मगर उनकी खुद की उम्र 56 साल ही है। बंगाल में 1977 के बाद से कांग्रेस की सरकार नहीं आई है, बिहार में 1990 के बाद से कांग्रेस की सरकार नहीं आई है। राहुल गांधी को इसकी जानकारी ही नहीं है। जब से पारदर्शी चुनाव हो गए हैं, CCTV कैमरे आए हैं और स्वतंत्र मीडिया आया है तभी से इनके लाले पड़ गए हैं सत्ता में आने के लिए। राजनीतिक दृष्टि से राहुल गांधी का ज्ञान शून्य है। राहुल ने कहा- कई लेवल पर ऐसा होता है। कई लोग यह काम कर सकते हैं। चुनाव आयोग जो कह रहा है, हम उसे नहीं मानेंगे, क्योंकि चेन ही टूट गई है। अगर वो चेन नहीं टूटती, वोटों की रक्षा होती, संस्था ठीक होती तो हम उनपर भरोसा करते। राहुल ने कहा- उन्हें पता है कि जेन जी उन्हें वोट नहीं देना चाहते। चुनाव आयोग का वोटर लिस्ट से कंट्रोल खत्म हो गया है। विश्वसनीयता खत्म हो गई है। इंटरनली वे मान भी रहे हैं। इस कानून के मुताबिक मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति करते हैं। लेकिन राष्ट्रपति को इसके लिए एक चयन समिति की सिफारिश मिलती है। इस समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री की ओर से नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री होते हैं। यानी 3 सदस्यों वाली इस समिति में 2 सदस्य केंद्र सरकार की ओर से होते हैं। कानून की धारा 16 के मुताबिक, मुख्य चुनाव आयुक्त या चुनाव आयुक्त ने अपने आधिकारिक काम के दौरान या आधिकारिक ड्यूटी निभाने का दावा करते हुए कोई काम, कार्रवाई या बयान दिया है, तो उससे जुड़े दीवानी या आपराधिक मामले को अदालत सुनवाई के लिए स्वीकार नहीं कर सकती और न ही उसकी सुनवाई जारी रख सकती है। यह सुरक्षा आधिकारिक काम से जुड़े मामलों के लिए है। इसका मतलब यह नहीं है कि उन्हें हर तरह के अपराध या हर स्थिति में गिरफ्तारी से पूरी छूट मिली हुई है। राहुल ने कहा कि ज्ञानेश कुमार को पीएम मोदी ने नियुक्त किया और उनके खिलाफ लिखे मेरे लेटर पर कोई कार्रवाई इसलिए नहीं हुई, क्योंकि पीएम, शाह उन्हें बचाते हैं। हमारे पास कई सबूत हैं। हम एक ऐसी जगह पर हैं, जहां इससे पहले कभी नहीं बैठे। भारत में ऐसा पहली बार हुआ है कि देश ऐसे पॉइंट पर आ गया है। ज्ञानेश कुमार को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए। आप बहुत पढ़े-लिखे हैं। समझिए कि क्या हो रहा है। आपने जो किया है वह भारत के खिलाफ है आपको वोटों की रक्षा करनी चाहिए थी। इसके अंजाम भुगतने पड़ेंगे। जो लोग इसके जिम्मेदार है उनको आज या कल सजा जरूर मिलेगी।

2 आवासीय और 5 ...

सीएम योगी ने स्टेट कैपिटल रीजन (SCR) की बात दोहराई। कहा- 6500 एकड़ से ज्यादा में वरुण विहार योजना और 4100 एकड़ में नैमिषनगर विकसित किया जा रहा है। ये योजनाएं केवल लखनऊ का विकास नहीं हैं। ये SCR के इन्फ्रास्ट्रक्चर को भी आगे बढ़ाएंगी। बताया-लखनऊ के साथ हरदोई, उन्नाव, सीतापुर, रायबरेली, बाराबंकी को जोड़कर SCR बनाया जा रहा है। स्टेट कैपिटल रीजन में व्यवस्थित तरीके से विकास कार्य किए जा रहे हैं। आने वाले समय में SCR अपने आईटी सेक्टर और इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए जाना जाएगा। किसान की बेटी नामरा फातिमा ने बताया कि पिताजी को जो मुआवजा मिला, उससे उन्होंने दूसरी जगह जमीन खरीदी। मैं उसी पैसे से मेडिकल की पढ़ाई भी करूंगी। मंच पर सीएम योगी के सामने भूमि देने वाले किसानों में से 6 को बुलाया गया। सबने अनुभव बताए। एक किसान ने बताया कि उन्हें अपनी जमीन के 2.80 करोड़ रुपए मिले हैं।

आईजीआरएस का ...

प्रार्थिनी विद्या देवी ने जिलाधिकारी अम्बेडकरनगर से मांग की है कि पूरे प्रकरण की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष पुनः जांच कराई जाए। मौके पर राजस्व अधिकारियों की मौजूदगी में पैमाइश कराई जाए, पुश्तैनी मकान की वास्तविक स्थिति का सत्यापन कराया जाए तथा लेखपाल और पुलिस द्वारा प्रस्तुत आख्या में दर्ज तथ्यों का भी परीक्षण किया जाए। अब निगाह प्रशासन पर है कि वह इस मामले को भी कागजी निस्तारण की फाइल में दबाकर रखता है या फिर मौके पर जाकर जमीन, मकान और शिकायत—तीनों की हकीकत एक साथ सामने लाता है।

नाकारा अधिकारीयों ...

ऐसा होने पर यदि कहीं गलत रिपोर्ट लगाकर मामलों को निस्तारित करने की शिकायतें हैं तो उनकी भी पड़ताल हो सकती है। ध्यान देने वाली बात यह भी है कि वर्तमान सरकार ने जिले की प्रशासनिक कमान महिला अधिकारियों के हाथों में सौंपते हुए एक नया प्रयोग किया है। जिलाधिकारी की जिम्मेदारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी प्राची सिंह के पास है। ऐसे में अधीनस्थ स्तर पर यदि आईजीआरएस के मामलों में गलत रिपोर्ट लगाने या शिकायतों का सही तरीके से निस्तारण नहीं करने की शिकायतें सामने आती हैं तो उसका सीधा असर प्रशासन की कार्यप्रणाली और सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति की छवि पर पड़ सकता है। जरूरत इस बात की है कि जिलाधिकारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह अपने-अपने अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा निस्तारित किए गए आईजीआरएस मामलों का नियमित और निष्पक्ष सत्यापन कराएं। खासकर उन मामलों की दोबारा जांच होनी चाहिए जिनमें शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक समाधान किए बिना केवल कागजी कार्रवाई के आधार पर मामला निस्तारित कर दिया गया हो। यदि आईजीआरएस व्यवस्था में इस तरह की खामियों पर समय रहते अंकुश नहीं लगाया गया तो भविष्य में बरियावन बाजार जैसे मामलों को लेकर भी प्रशासन के सामने गंभीर सवाल खड़े होते रहेंगे।

मेंस टीम ने 8-2 से हराया, अभिषेक और दिलप्रीत ने 2-2 गोल किए, साउथ कोरिया पर दबाव बनाए रखा

भारत की एशियाड में साउथ कोरिया पर सबसे बड़ी जीत

बढ़त

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने एशियन गेम्स के ग्रुप स्टेज के तीसरे मुकाबले में साउथ कोरिया को 8-2 से हरा दिया। चार बार की चैंपियन साउथ कोरिया के खिलाफ यह भारत की एशियन गेम्स में सबसे बड़ी जीत है। इस जीत के साथ भारतीय मेंस हॉकी टीम ने लगातार तीसरी जीत दर्ज की।

भारत की ओर से अभिषेक और दिलप्रीत सिंह ने दो-दो गोल किए। भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और साउथ कोरिया पर दबाव बनाए रखा। दूसरे क्वार्टर में भी भारत ने दबदबा बनाए रखा। दिलप्रीत सिंह ने 26वें मिनट में गोल करके भारत की बढ़त 5-0 कर दी। तीसरे क्वार्टर में 32वें मिनट में दिलप्रीत ने अपना दूसरा गोल दागा। अभिषेक ने 38वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया।

इससे भारतीय टीम को 7-0 की मजबूत बढ़त मिल गई। सात गोल से पिछड़ने के बाद साउथ कोरिया ने वापसी की कोशिश की। किम जाएहो ने 42वें मिनट में गोल करके साउथ कोरिया का खाता खोला। इसके बाद किम योंगबोक ने 52वें मिनट में दूसरा गोल दागा। हालांकि, तब तक मुकाबला भारत के नियंत्रण में था। मैच के आखिरी मिनट में राजिंदर सिंह ने गोल किया। इस गोल के साथ भारत ने जीत का अंतर 8-2 कर दिया।

इंडोनेशिया-श्रीलंका के बाद साउथ कोरिया को हराया

भारत ने एशियन गेम्स में अपने अभियान की शुरुआत इंडोनेशिया के खिलाफ की थी। भारतीय टीम ने उस मुकाबले में 13-1 से जीत दर्ज की।

इसके बाद श्रीलंका के खिलाफ भारत ने 16-1 की एकतरफा जीत हासिल की। अब साउथ कोरिया के खिलाफ 8-2 की जीत के साथ भारत ने ग्रुप स्टेज में लगातार तीसरी जीत दर्ज की है।भारतीय टीम का अगला मुकाबला 26 सितंबर को जापान से होगा।

मैच शुरू होने से पहले दोनों टीमें।

भारत ने पहले क्वार्टर में 4-0 की बढ़त बनाई

भारत ने पहले क्वार्टर के चौथे मिनट में ही बढ़त बना ली। शिलानंद लाकड़ा ने गोल करके टीम का खाता खोला। सुखजीत सिंह ने नौवें मिनट में गोल किया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 11वें मिनट में गेंद गोलपोस्ट में पहुंचाई।

इससे भारत ने शुरुआती 11 मिनट में 3-0 की बढ़त बना ली। साउथ कोरिया को संभलने का मौका नहीं मिला। 14वें मिनट में अभिषेक ने भारत के लिए चौथा गोल दागा। भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में ही मैच पर पूरी तरह पकड़ बना ली।

> **विवेक सागर प्रसाद ने भारत के लिए 200 सीनियर इंटरनेशनल मैच पूरे कर लिए हैं। उन्होंने साउथ कोरिया के खिलाफ मुकाबले में उतरकर यह उपलब्धि हासिल की।**

भारतीय टेनिस खिलाड़ी परिक्षित सोमानी पर 4 साल का बैन

डोप टेस्ट में ट्रिमेटाजिडाइन मिला

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टेनिस खिलाड़ी परिक्षित सोमानी पर डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन के कारण 4 साल का बैन लगाया गया है। इंटरनेशनल टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (ITIA) के इंडिपेंडेंट ट्रिब्यूनल ने उन्हें प्रतिबंधित पदार्थ ट्रिमेटाजिडाइन पाए जाने के मामले में दोषी माना है। ट्रिब्यूनल ने खाने के दूषित होने की उनकी दलील को खारिज कर दिया। 26 साल के परिक्षित का 31 जुलाई 2025 को कजाकिस्तान के अस्ताना में हुए ATP चैलेंजर टूर्नामेंट के दौरान डोप टेस्ट हुआ था। उनके सैंपल में प्रतिबंधित पदार्थ ट्रिमेटाजि-डाइन पाया गया था। इसके बाद उन्हें 23 सितंबर 2025 को प्रोविजनल सस्पेंड किया गया। परिक्षित को प्रोविजनल सस्पेंशन के दौरान बिताया गया समय 4 साल के बैन में शामिल किया गया है। इसलिए उनका सस्पेंशन 22 सितंबर 2029 को खत्म होगा। परिक्षित ने फरवरी 2026 में अपनी सफाई में कहा था कि उन्होंने परिवार के एक सदस्य द्वारा बनाया खाना खाया था। इसी वजह से ट्रिमेटाजिडाइन उनके शरीर में पहुंचा। 19 अगस्त 2026 को इंडिपेंडेंट ट्रिब्यूनल के सामने हुई सुनवाई में परिक्षित ने इसी दलील को अपना आधार बनाया। ITIA और परिक्षित की ओर से पेश किए गए वैज्ञानिक विशेषज्ञों की राय पर विचार करने के बाद ट्रिब्यूनल ने फूड-कंटैमिनेशन की थ्योरी को वैज्ञानिक रूप से अविश्वसनीय, बेहद अटकलों पर आधारित और भरोसे के लायक नहीं माना।

चेस ओलिंपियाड- प्रज्ञानानंद और गुकेश ने भारत को जीत दिलाई

इंग्लैंड को 2.5-1.5 से हराया महिला टीम ने जर्मनी को 3.5-0.5 से मात दी

नई दिल्ली, एजेंसी

46वें FIDE चेस ओलिंपियाड के 7वें राउंड में आर प्रज्ञानानंद और डी गुकेश की जीत से भारत की मेंस टीम ने इंग्लैंड को 2.5-1.5 से हरा दिया। बुधवार को समरकंद में खेले गए मुकाबले में प्रज्ञानानंद ने टॉप बोर्ड और गुकेश ने चौथे बोर्ड पर जीत दर्ज की। इससे भारत ने पिछले राउंड में उज्बेकिस्तान से मिली हार के बाद वापसी की।

प्रज्ञानानंद ने इंग्लैंड के अनुभवी खिलाड़ी निकिता वित्युगोव को हराया। उन्होंने काले मोहरों से खेलते हुए दबाव बनाया और मुकाबला अपने नाम किया। यह टूर्नामेंट में उनकी दूसरी जीत है।

वर्ल्ड चैंपियन डी. गुकेश ने चौथे बोर्ड पर डैनियल हॉवर्ड फर्नांडीज को हराया। उन्होंने टाइम प्रेशर के दौरान 40वें मूव की गलती का फायदा उठाया। इसके बाद बढ़त को जीत में बदल दिया। गुकेश अब तक टूर्नामेंट में अजेय हैं।

गुकेश ने इससे पहले भारत को पिछले दो चेस ओलिंपियाड में गोल्ड मेडल दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस बार भी वह तीसरे लगातार गोल्ड की दौड़ में हैं। दूसरे बोर्ड पर अर्जुन एरीगैसी ने इंग्लैंड के माइकल एडम्स से ड्रॉ खेला। तीसरे बोर्ड पर निहाल सरीन को ल्यूक मैकशेन ने हराया। यह निहाल की लगातार दूसरी हार थी। हालांकि, प्रज्ञानानंद और गुकेश की जीत से भारत ने मुकाबला अपने नाम कर लिया। इंग्लैंड पर जीत के बाद भारत के 12 मैच पॉइंट्स हो गए हैं। टीम ने 7 में से 6 मुकाबले जीते हैं और एक में हार मिली है। उज्बेकिस्तान ने चीन को 3-1 से हराकर 14 पॉइंट्स के साथ बढ़त बनाए रखी है। भारत अगले राउंड में अजरबैजान से खेलेगा।

भारतीय महिला टीम ने भी 7वें राउंड में जर्मनी को 3.5-0.5 से हराया। कोनेरू हम्पी, दिव्या देशमुख और सावित्रा श्री ने जीत दर्ज की। वैशाली का मुकाबला ड्रॉ रहा। हम्पी ने टॉप बोर्ड पर डिनारा वैगनर को हराया। दिव्या ने तीसरे बोर्ड पर जीत दर्ज की।

संजू को हटाकर वैभव को खिलाने पर बोले गंभीर, उस रात सो नहीं सका, इंग्लैंड दौरे पर टीम का जीतना जरूरी था

'उस रात सो नहीं सका'

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के हेड कोच गौतम गंभीर ने संजू सैमसन को हटाकर वैभव सूर्यवंशी को खिलाने के फैसले को मुश्किल बताया है। उन्होंने कहा कि इस फैसले के बाद वे पूरी रात सो नहीं सके।

इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई में खेली गई 5 मैचों की टी-20 इंटर-नेशनल सीरीज के पहले मुकाबले के बाद सैमसन को टीम से बाहर कर दिया गया था। उनकी जगह वैभव को मौका मिला और उन्होंने टी-20 इंटरनेशनल डेब्यू किया। हालांकि, वैभव के डेब्यू वाले मैच में भारत को हार का सामना करना पड़ा। भारत यह सीरीज 4-0 से हारा था। गंभीर ने कहा कि वैभव शानदार फॉर्म में थे और भारत को सीरीज जीतनी थी। इसी वजह से सैमसन की जगह वैभव को खिलाने का फैसला लिया गया। गंभीर ने कहा, संजू ने इस फैसले को समझा और इसे अच्छे तरीके से लिया। यह बातचीत सिर्फ मेरे और संजू के बीच हुई थी। इसके बाद हाल ही में भारत ने अफगा-निस्तान के खिलाफ घर में 3 मैचों की टी-20 सीरीज खेली। इस सीरीज में संजू की टीम में वापसी हुई और वैभव को बाहर किया गया। संजू ने वापसी के बाद लगातार 2 अर्धशतक लगाए। भारत ने यह सीरीज 3-0 से जीत ली। गंभीर ने कहा, मैं जानता हूं कि यह मुश्किल है। लेकिन मैंने उसे समझाया कि तुम अच्छी फॉर्म में हो। फिर भी लंबे समय से अच्छा करने वाले खिलाड़ियों को कई बार अपने मौके का इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने कहा, एक और बात है। सोशल मीडिया या बाहर का शोर प्लेइंग XI तय नहीं करता। प्लेइंग XI वह होती है, जिसे ड्रेसिंग रूम, कोच और कप्तान मैच जिताने के लिए सबसे बेहतर मानते हैं।

फैसला बेहद मुश्किल लगा

गंभीर ने जियोस्टार से भारत के वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीजन से पहले बातचीत की। उन्होंने कहा कि सैमसन भारत की टी-20 वर्ल्ड कप जीत में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। जो खिलाड़ी प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहा हो, उसे तीन या चार मैचों के बाद बाहर करना आसान नहीं था। इसका कारण यह था कि वैभव भी शानदार फॉर्म में थे। हमें सीरीज जीतनी थी। जब आप भारत के लिए खेलते हैं या भारत को कोच करते हैं, तो हर सीरीज जीतना चाहते हैं। गंभीर ने आगे कहा,मैंने संजू से बहुत ईमानदारी से बात की। मैंने उनसे कहा कि वैभव शानदार फॉर्म में हैं। हमें टॉप ऑर्डर में रन बनाने वाला खिलाड़ी चाहिए।

मनोरंजन

'लव एंड वॉर' से रणबीर का पहला लुक जारी

मोटी मूंछें, खून के दाग वाली शर्ट और गॉगल्स में दिखा रौबदार अंदाज

नई दिल्ली। फिल्म 'लव एंड वॉर' से रणबीर कपूर का पहला लुक बुधवार को सामने आया है। पोस्टर में रणबीर का इंटेंस और रॉ अंदाज नजर आ रहा है।

रणबीर मोटी मूंछों, खून के दाग वाली शर्ट और गॉगल्स में दिखाई दे रहे हैं। उनका लुक किरदार के रफ और मजबूत अंदाज की झलक देता है।

शर्ट पर खून के दाग फिल्म की डार्क और एक्शन से भरपूर कहानी की ओर इशारा करते हैं। वहीं, गॉगल्स उनके किरदार को स्टाइलिश लुक दे रहे हैं।

पोस्टर में रणबीर का यह अवतार उनके अब तक के किरदारों से काफी अलग नजर आ रहा है। फिल्म में रणबीर के साथ आलिया भट्ट और विक्की कौशल भी नजर आएंगे।

'लव एंड वॉर' दुनियाभर में 21 जनवरी 2027 को रिलीज होगी। यह फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषा में रिलीज की जाएगी। इसका निर्देशन संजय लीला भंसाली ने किया है। संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल पहली बार एक साथ नजर आएंगे। हालांकि, रणबीर और आलिया इससे पहले भी भंसाली के साथ काम कर चुके हैं। रणबीर कपूर ने भंसाली के निर्देशन में 'सांवरिया' (2007) से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। फिल्म में उनके साथ सोनम कपूर भी मुख्य भूमिका में थीं।

> **मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, "वो रुतबा, वो रौब, वो जुनून! संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' 21 जनवरी 2027 को। फिल्मों में मिलते हैं!"**

'लव एंड वॉर' की रिलीज डेट कई बार बदली

संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' की रिलीज डेट अब तक कई बार बदली जा चुकी है। सबसे पहले इसकी रिलीज की घोषणा जनवरी 2024 में हुई थी। उस समय फिल्म को क्रिसमस 2025 पर रिलीज करने की योजना थी।

बड़े स्तर पर हो रही शूटिंग और प्रोडक्शन में ज्यादा समय लगने के कारण रिलीज को आगे बढ़ाया गया। इसके बाद मार्च 2026 में फिल्म रिलीज होने की बात सामने आई। इस बीच 14 अगस्त 2026 की रिलीज डेट की भी चर्चा हुई थी।

शाहरुख खान की नेटवर्थ 2,500 करोड़ कम हुई

मुंबई। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2026 में शाहरुख खान एक बार फिर देश के सबसे अमीर भारतीय अभिनेता बनकर उभरे हैं। हुरुन रिपोर्ट के मुताबिक, शाहरुख खान की कुल संपत्ति 10,000 करोड़ रुपए दर्ज की गई है।

इस लिस्ट में 4,000 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ अमिताभ बच्चन दूसरे नंबर पर हैं। वहीं एक्टर सलमान खान ने 3,000 करोड़ रुपए की नेटवर्थ के साथ पहली बार इस लिस्ट में अपनी जगह बनाई है।

इसके अलावा ऋतिक रोशन भी 2,500 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ देश के सबसे अमीर एक्टर्स की लिस्ट में बने हुए हैं।

शाहरुख खान की कुल 10,000 करोड़ रुपए की संपत्ति में उनकी प्रोडक्शन कंपनी 'रेड चिलीज एंटर-टेनमेंट' और आईपीएल टीम 'नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स' का बड़ा योगदान है। हालांकि, पिछले साल की तुलना में उनकी संपत्ति में थोड़ी गिरावट आई है। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 में शाहरुख की नेटवर्थ 12,490 करोड़ रुपए दर्ज की गई थी। वहीं इस साल की शुरुआत में आई हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट में उनकी कुल संपत्ति 10,800 करोड़ रुपए बताई गई थी। रिच लिस्ट में दूसरे नंबर पर मौजूद अमिताभ बच्चन की नेटवर्थ में पिछले साल के मुकाबले बड़ा सुधार देखा गया है।

इंसानों को जितना प्यार करो, कोई फायदा नहीं

रूमर्ड गर्लफ्रेंड संग दिखे गोविंदा, पत्नी का बयान आया

नई दिल्ली। गणपति उत्सव के दौरान गोविंदा को अभिनेत्री और रूमर्ड गर्लफ्रेंड कोमल रानी स्वर्णकार के साथ लालबागचा राजा के दर्शन करते देखा गया। इसके बाद सुनीता आहूजा का एक बयान सामने आया, जिसमें उन्होंने इंसानों को धोखेबाज बताते हुए जानवरों से प्यार को बेहतर बताया। हालांकि, सुनीता ने अपने बयान में गोविंदा का नाम नहीं लिया।

दरअसल, मुंबई एयरपोर्ट पर पैपराजी से बातचीत के दौरान सुनीता अपने पालतू कुत्ते विंटर के साथ थीं। पैपराजी से बात करते हुए सुनीता ने कहा कि इंसानों को जितना भी प्यार करो, कोई फायदा नहीं है। धोखा ही देते हैं। इनको प्यार करो, देखो, हमेशा चिपके रहते हैं। विंटर मुझे हमेशा छोड़ने आता है ना। उसको कैमरे में देखना भी बराबर आता है। इंसानों से अच्छे तो जानवर होते हैं भाई। जानवरों से प्यार करो, इंसानों से नहीं। धोखेबाज होते हैं इंसान। गणपति उत्सव के दौरान गोविंदा लालबागचा राजा के दर्शन करने पहुंचे थे। इस दौरान वह अभिनेत्री कोमल रानी स्वर्णकार के साथ नजर आए थे। दोनों ने गणपति बप्पा के दर्शन किए। इस साल गणपति उत्सव के दौरान गोविंदा और सुनीता साथ नजर नहीं आए। गणेश चतुर्थी के मौके पर सुनीता आहूजा के घर गणपति बप्पा का स्वागत किया गया।

संजय दत्त ने पत्नी मान्यता को तिलक लगाया अंकिता लोखंडे ने बप्पा के चरणों में झुककर लिया आशीर्वाद

लालबागचा राजा के दरबार में पहुंचे आयुष्मान खुराना

नई दिल्ली। गणेश उत्सव के दौरान मुंबई के प्रसिद्ध लालबागचा राजा पंडाल में लगातार बॉलीवुड और फिल्म जगत की हस्तियां पहुंच रही हैं।

बुधवार को गोविंदा के बेटे यशवर्धन और बेटी टीना ने भी गणपति बप्पा के दर्शन किए।

आज अनंत अंबानी ने भी लालबागचा राजा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। लालबागचा राजा के आधिकारिक कार्यक्रम के मुताबिक, 2026 में गणपति की स्थापना 14 सितंबर को हुई थी। 25 सितंबर को विसर्जन होगा।

इस दौरान संजय दत्त ऑरेंज कुर्ते में नजर आए, जबकि मान्यता ने पिंक सूट पहना था। दोनों ने साथ में गणपति की पूजा की। दर्शन के दौरान संजय ने बप्पा के सामने सिर झुकाया और माथे पर तिलक लगाया।

संजय दत्त का एक वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में आया। इसमें वह अपने माथे पर तिलक लगाने के बाद मान्यता के माथे पर भी तिलक लगाते नजर आए। दर्शन के दौरान संजय दत्त मान्यता का खास ख्याल रखते भी नजर आए। भारी भीड़ के बीच वह उन्हें अपने करीब रखते दिखे। पंडाल की तरफ जाते समय भी संजय लगातार उनके साथ चलते रहे। फिल्म 'चंदू चैंपियन' के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिलने के बाद मंगलवार सुबह कार्तिक आर्यन लालबागचा राजा के दर्शन करने पहुंचे थे। उन्होंने बप्पा के चरणों में अवॉर्ड रखकर आशीर्वाद लिया था। मंगलवार को गोविंदा लालबागचा राजा के दर्शन करने पहुंचे थे। इस दौरान वह अभिनेत्री कोमल रानी स्वर्णकार के साथ नजर आए थे। दोनों ने गणपति बप्पा के दर्शन किए थे।

> **इससे पहले संजय दत्त पत्नी मान्यता दत्त के साथ लालबागचा राजा पहुंचे थे। दोनों ने साथ में पूजा की। इसी दौरान संजय दत्त की मुलाकात अभिनेता चंकी पांडे से भी हुई। चंकी अपनी बेटी अनन्या पांडे के साथ वहां पहुंचे थे। दोनों कलाकारों ने एक-दूसरे से मुलाकात की और कुछ देर बातचीत भी की।**

हाईवे बंद, बुलडोजर-क्रेन लेकर रास्ता खोलने पहुंचेंगे पीटीआई कार्यकर्ता

इस्लामाबाद में इमरान समर्थकों का मार्च रोकने 2,000 कंटेनर लगाए

सख्ती

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान करीब 3 साल से जेल में बंद हैं। उनकी रिहाई के लिए PTI ने 27 सितंबर को देशभर में मार्च का ऐलान किया है।

इससे पहले इस्लामाबाद में प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। हाईवे बंद किए जा रहे हैं। करीब 2 हजार कंटेनर सड़कों पर लगाए गए हैं। पंजाब और सिंध से 20 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी बुलाए गए हैं। सरकार ने रैलियों, जुलूस और सार्वजनिक सभाओं पर 2 महीने के लिए रोक लगा दी है।

दूसरी तरफ PTI ने भी रास्ते में लगाए जाने वाले कंटेनरों को हटाने की तैयारी शुरू कर दी है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक पार्टी के कार्यकर्ता और समर्थक बुलडोजर और क्रेन जैसे भारी वाहन जुटा रहे हैं। इन्हें इस्लामाबाद ले जाने की तैयारी है। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने 14 सितंबर को PTI के मार्च से जुड़े मामले में अहम निर्देश दिए थे। कोर्ट ने कहा था कि कोई राजनीतिक पार्टी या नेता सार्वजनिक सड़क, हाईवे, इंटरचेंज, टोल प्लाजा या सरकारी इमारत पर कब्जा नहीं कर सकता। कोर्ट ने यह भी कहा था कि प्रांतीय सरकारें प्रदर्शन के लिए सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल न होने दें। यानी मार्च के दौरान सरकारी संसाधनों के इस्तेमाल को लेकर भी रोक लगाई गई है।

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद को कंटेनरों से सील कर दिया गया है।

इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने 14 सितंबर को कहा था कि प्रदर्शन के दौरान कोई राजनीतिक पार्टी, नेता, प्रांतीय सरकार या सरकारी अधिकारी सार्वजनिक सड़कों, हाईवे, इंटरचेंज, टोल प्लाजा या सरकारी इमारतों पर कब्जा नहीं कर सकता।

सरकार बोली- किसी भी सूरत में मार्च नहीं होने देंगे

गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने PTI नेताओं से मार्च पर दोबारा विचार करने को कहा है। उन्होंने कहा है कि सरकार इस्लामाबाद की ओर होने वाले मार्च को हर संभव तरीके से रोकेगी।

उन्होंने प्रदर्शन के दौरान किसी की जान जाने पर आयोजकों को जिम्मेदार ठहराने की चेतावनी भी दी है। PTI ने हालांकि अपना कार्यक्रम रद्द नहीं किया है। पार्टी का कहना है कि इमरान खान की रिहाई के लिए मार्च किया जाएगा। PTI नेता इसे 2024 के प्रदर्शन से बड़ा बनाने की तैयारी में हैं।

पाकिस्तान तहरीक-इंसाफ पार्टी 27 सितंबर को इमरान खान की रिहाई को लेकर मार्च करने वाली है। (फाइल फोटो)

इस्लामाबाद में धारा 144 लागू, 5 से ज्यादा लोगों के जुटने पर रोक

इस्लामाबाद में धारा 144 लागू कर दी गई है। इसके तहत 5 या उससे ज्यादा लोगों के एक जगह जुटने पर रोक है। रैली, जुलूस और प्रदर्शन भी नहीं हो सकेंगे।

शहर के कई हिस्सों में कंटेनरों को वेल्डिंग करके जोड़ा गया है। कुछ कंटेनरों के बाहर लोहे के कीले भी लगाए गए हैं।

पुलिस के मुताबिक इस्लामाबाद-पेशावर मोटरवे, इस्लामाबाद-डेरा इस्माइल खान मोटरवे और ग्रैंड ट्रंक रोड को कई जगह बंद किया जाएगा। रावलपिंडी और अटक के कुछ इलाकों में 27 सितंबर को मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं बंद करने की मांग भी की गई है।

देशभर में 2-अक्टूबर को यूपीआई से पैसा नहीं लेंगे व्यापारी

क्यूआर कोड को काले कपड़े से ढकेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

अगर आप अपनी जैब में कैश नहीं रखते और UPI से ही पेमेंट करते हैं, तो 2 अक्टूबर को ऐसा नहीं कर पाएंगे। क्योंकि देशभर के व्यापारियों ने इस दिन नो UPI डे मनाने का ऐलान किया है। यानी इस दिन देशभर में कोई भी व्यापारी और दुकानदार UPI से पेमेंट नहीं लेंगे।

महाराष्ट्र चैंबर ऑफ कॉमर्स, इंडस्ट्री एंड एग्रीकल्चर (MACCIA) अध्यक्ष रवींद्र मंगवे ने बताया कि यह आंदोलन सिर्फ महाराष्ट्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि देशभर के 500 से ज्यादा प्रमुख व्यापारी संगठन इसमें हिस्सा लेंगे। इस दिन व्यापारी संगठन 15 अक्टूबर से 2000 रुपए से ज्यादा ट्रांजैक्शन पर लगने वाले 0.4% चार्ज के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे। व्यापारियों की इस चार्ज को हटाने की मांग है। इस दौरान व्यापारी QR कोड, स्कैनर, साउंड बॉक्स और अन्य डिजिटल पेमेंट डिवाइसेस को काले कपड़े से ढककर विरोध करेंगे।

AICPDF के राष्ट्रीय अध्यक्ष धैर्यशील पाटिल ने कहा कि रिटेल व्यापारी और डिस्ट्रीब्यूटर बहुत ही कम मार्जिन पर काम करते हैं। डिजिटल लेनदेन पर अतिरिक्त चार्ज थोपने से व्यापार लागत बढ़ेगी। डिजिटल पेमेंट का उद्देश्य प्रोसेस को आसान बनाना होना चाहिए, व्यापारियों पर वित्तीय बोझ डालना नहीं। AIAOTF के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने कहा कि UPI के उपयोग से पूरी पेमेंट चेन ट्रांसपेरेंट हुई है और कैश का चलन घटा है।

फास्ट न्यूज

एनएसई के शेयर केवल 0.84% ऊपर 1800 पर लिस्ट

मुंबई । नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के शेयरों की आज 24 सितंबर को स्टॉक मार्केट में धीमी शुरुआत हुई। ये इश्यू प्राइस 1,785 के मुकाबले सिर्फ 15 रुपए या 0.84% ऊपर 1,800 पर लिस्ट हुए। हालांकि, लिस्टिंग के कुछ ही देर बाद इसमें अच्छी खरीदारी देखने को मिली और शेयर 5.14% चढ़कर 1,876 के दिन के हाई पर पहुंच गया।

सोने-चांदी के दाम में लगातार चौथे दिन गिरावट

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 24 सितंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन यानी IBJA के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 853 रुपए गिरकर 1.51 लाख रुपए पर आ गया है। एक किलो चांदी 2,716 रुपए सस्ती होकर 2.30 लाख रुपए पर आ गई है। ये लगातार चौथा दिन सोने-चांदी के दाम में गिरावट है। चांदी 4 दिन में करीब 7 हजार और सोना 2,500 रुपए सस्ता हो चुका है।गोल्ड ETF सोने के गिरते-चढ़ते भावों पर बेस्ड होते हैं। गोल्ड ETFs की खरीद-बिक्री शेयर की ही तरह BSE और NSE पर की जा सकती है।

स्टार्च से बने पनीर पैकेट पर 'पनीर' नहीं लिख पाएंगे

नई दिल्ली। जो पनीर दूध से बनने के बजाय वनस्पति तेल या स्टार्च जैसी चीजों से तैयार होता है उसके पैकेट पर पनीर शब्द का इस्तेमाल नहीं हो सकेगा। FSSAI ने एनालॉग पनीर को लेकर नया ड्राफ्ट जारी किया है। इसका मकसद ग्राहकों को भ्रम से बचाना है। जब कोई व्यक्ति बाजार से पनीर खरीदे तो उसे पता चल सके कि वह असली दूध का पनीर ले रहा है या तेल-स्टार्च से बनी कोई दूसरी चीज।

कोर्ट ने ट्रम्प का फैसला 6 दिन बाद ही पलटा

सीएनएन समेत 3 मीडिया हाउस की व्हाइट हाउस में एंट्री पर बैन हटाया

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के फैसले को 6 दिन बाद ही पलट दिया। उन्होंने 18 सितंबर को CNN, MS NOW और पॉलिटिको को व्हाइट हाउस से बैन करने का ऐलान किया था।

ट्रम्प के फैसले पर 14 दिनों के लिए अस्थायी रोक लगाते हुए अमेरिकी फेडरल जज टिमोथी केली ने कहा कि मीडिया पर लगाया गया बैन अमेरिकी संविधान के खिलाफ हो सकता है।

तीनों मीडिया संस्थानों ने ट्रम्प के फैसले के खिलाफ कोर्ट में अपील की थी। अब इन तीनों मीडिया संस्थानों के पत्रकारों को फिर से व्हाइट हाउस में एंट्री मिल सकेगी।

पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए ट्रम्प ने कहा था कि फेक न्यूज फैलाने के लिए CNN, MS NOW और पॉलिटिको को बैन किया। पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए ट्रम्प ने कहा था कि फेक न्यूज फैलाने के लिए CNN, MS NOW और पॉलिटिको को बैन किया। तीनों मीडिया संस्थानों ने कहा था कि एंट्री एक्सेस हटाने से पहले उन्हें अपना पक्ष रखने का मौका भी नहीं दिया गया। ट्रम्प के ऐलान के बाद जब CNN के पत्रकार व्हाइट हाउस पहुंचे तो उनका मीडिया पास काम नहीं कर रहा था। CNN, MS NOW और पॉलिटिको ने कोर्ट में कहा था कि ट्रम्प का बैन लगाने का फैसला उनके फर्स्ट अमेंडमेंट अधिकारों का उल्लंघन करता है।

47 देशों के नागरिकों को भर्ती किया : जेलेंस्की, जंग में भारत के 51 लोगों की मौत

रूस भारतीयों को बहला फुसलाकर जंग में भेज रहा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बुधवार को UN महासभा में कहा कि रूस 47 देशों के नागरिकों को बहला-फुसलाकर अपनी सेना में भर्ती कर रहा है। इनमें भारत के लोग भी शामिल हैं।

जेलेंस्की ने कहा कि इन देशों के नागरिकों को धोखे से रूस लाया गया और बाद में युद्ध के मैदान में भेज दिया।

भारत के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, रूसी सेना में 227 भारतीय नागरिक भर्ती हुए थे। इनमें से 139 को रूसी सेना से छुट्टी मिल चुकी है, जबकि 51 की मौत हुई है। भारत सरकार बाकी नागरिकों की वापसी के लिए रूस से बातचीत कर रही है। जेलेंस्की ने उत्तर कोरिया पर भी रूस की मदद करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने रूस की मदद के लिए अपने सैनिक भेजे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन ने दो उत्तर कोरियाई युद्धबंदियों को दक्षिण कोरिया भेजा है। उनके मुताबिक, दोनों सैनिकों को जिंदा पकड़ना आसान नहीं था। किम जोंग उन यूक्रेन युद्ध में लड़ चुके सैनिकों के सम्मान में आयोजित समारोह में शामिल हुए थे। तस्वीर 22 जुलाई 2025 की है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने 23 सितंबर को UN महासभा को संबोधित किया।

जेलेंस्की का दावा है कि इसके बदले उत्तर कोरिया को आधुनिक सैन्य तकनीक मिल रही है। इसमें बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन तकनीक से जुड़ी मदद भी शामिल है।

जेलेंस्की ने दूसरे देशों से अपने नागरिकों को रूस-यूक्रेन युद्ध से दूर रखने की अपील की।

जेलेंस्की बोले- पुतिन ज्यादा जमीन कब्जाना चाहते हैं

जेलेंस्की ने कहा कि रूस ज्यादा से ज्यादा लोगों को युद्ध में उतारकर यूक्रेन में अपनी पकड़ बढ़ाना चाहता है। उन्होंने दूसरे देशों से रूस पर दबाव बढ़ाने और उसकी युद्ध क्षमता कम करने की अपील की।

जेलेंस्की ने रूस की कमाई पर रोक लगाने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि युद्ध रोकने के लिए रूस को आर्थिक रूप से कमजोर करना होगा।

उन्होंने भारत, चीन और तुर्किये से रूस के साथ ऊर्जा कारोबार कम करने की अपील की। उनके मुताबिक, अगर ये देश रूस से ऊर्जा खरीद कम करते हैं तो मॉस्को पर युद्ध रोकने का दबाव बढ़ेगा।

कहा- ड्रोन हमलों का जवाब दिया, तालिबान ने पहले चौकियों पर गोलाबारी की

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में 10 ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की

काबुल/इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान ने गुरुवार को अफगानिस्तान में 10 ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तराड़ ने कहा कि ये हमले अफगानिस्तान से एक दिन पहले हुए ड्रोन हमलों के जवाब में किए गए हैं।

तारड़ के मुताबिक, इन 10 जगहों का इस्तेमाल ड्रोन लॉन्च करने और उन्हें रखने के लिए किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि इन ठिकानों की पहचान की गई और सटीक तरीके से हमलों को अंजाम दिया गया।

पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) के आतंकियों ने पक्तिया और नंगरहार से पाकिस्तान में घुसने की कोशिश की। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने इसे नाकाम कर दिया। इसके बाद अफगान तालिबान बलों ने पाकिस्तानी सीमा चौकियों पर मोर्टार और भारी हथियारों से गोलाबारी की। जवाब में पाकिस्तान ने तालिबान की चौकियों और मोर्टार ठिकानों पर तोपों से हमला किया। पाकिस्तान TTP को 'फितना-उल-खवारिज' कहता है। TTP और अफगान तालिबान अलग संगठन हैं। हालांकि, दोनों के बीच गठजोड़ बताया जाता है। TTP का मानना है कि पाकिस्तान सरकार सच्चा इस्लाम नहीं मानती है, इसलिए वो उसके खिलाफ हमला करता है। TTP का अफगान तालिबान के साथ गहरा जुड़ाव है। दोनों समूह एक-दूसरे को समर्थन देते हैं। 2021 में अफगान तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान ने TTP को निशाना बनाकर अफगानिस्तान में हमले किए।

2001 में अमेरिका के अफगानिस्तान पर हमले के बाद पाकिस्तान ने अमेरिका का साथ दिया। इससे टीटीपी नाराज हो गया, वह इसे इस्लाम के खिलाफ मानता था।

पाकिस्तान ने 8 ड्रोन मार गिराने का दावा

पाकिस्तान ने बुधवार को दावा किया कि उसकी सुरक्षा बलों ने 8 ड्रोन मार गिराए। अधिकारियों के मुताबिक, ये ड्रोन अफगान तालिबान ने भेजे थे और कोहाट व तोर्खम में घुसने की कोशिश कर रहे थे।

सभी ड्रोन सीमा के पास ही गिरा दिए गए। पाकिस्तान के मुताबिक, इनसे कोई नुकसान नहीं हुआ। दूसरी तरफ अफगानिस्तान ने इन हमलों से इनकार किया था। अफगान तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बुधवार को कहा था कि हमारे सुरक्षा बलों ने कोई हमला नहीं किया।

अमेरिकी-युद्धपोत लिंकन के 8 नौसैनिकों ने आत्महत्या की कोशिश की

वॉरशिप ईरान के खिलाफ 300 से ज्यादा दिन तैनात था

लंदन, एजेंसी

अमेरिकी युद्धपोत USS अब्राहम लिंकन के स्ट्राइक ग्रुप में शामिल 8 नौसैनिकों ने आत्महत्या की कोशिश की। इनमें एक नौसैनिक जहाज से समुद्र में कूद गया था। दूसरे को साथियों ने कूदने से पहले रोक लिया। ये घटनाएं तब हुईं, जब USS लिंकन ईरान के खिलाफ अमेरिकी मिशन में शामिल था। यह 300 दिन से ज्यादा समय से समुद्र में तैनात था।

अमेरिकी नौसेना के कार्यवाहक सचिव हंग काओ ने सीनेटर कर्स्टन गिलिब्रैंड को भेजे पत्र में इसकी जानकारी दी।

पत्र के मुताबिक, अगस्त की शुरुआत में एक नौसैनिक जहाज से समुद्र में कूद गया था। उसे नौसेना के रेस्क्यू हेलिकॉप्टर ने बचा लिया।

वहीं मार्च में एक दूसरे नौसैनिक ने भी समुद्र में कूदने की कोशिश की थी, लेकिन साथियों ने उसे रोक लिया था। USS अब्राहम लिंकन पर करीब 5,000 नौसैनिक तैनात हैं। यह जहाज 300 दिन से ज्यादा समय तक समुद्र में रहा। हाल ही में इसने बिना किसी बंदरगाह पर रुके सबसे लंबे समय तक समुद्र में रहने का अमेरिकी नौसेना का रिकॉर्ड बनाया।

इस महीने की शुरुआत में USS अब्राहम लिंकन 5 दिन के लिए थाईलैंड के पटाया में रुका था। इसके बाद शनिवार को यह गुआम पहुंचा। डेमोक्रेट सीनेटर कर्स्टन गिलिब्रैंड ने जहाज पर तैनात सैनिकों की स्थिति और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर नौसेना से जानकारी मांगी थी। इसके जवाब में नौसेना ने उन्हें यह पत्र भेजा।

हमला : इससे भारत-चीन पर असर, समुद्र में तनाव बढ़ा तो तेल लाने वाले जहाज भी फंसेंगे

फिर हमला हुआ तो युद्ध हिंद महासागर तक फैलेगा : ईरान

तेहरान, एजेंसी

ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका या इजराइल ने उस पर दोबारा हमला किया, तो पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध हिंद महासागर तक फैल सकता है।

AFP के मुताबिक, ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई के सलाहकार याह्या रहीम सफावी ने गुरुवार को कहा कि संघर्ष पहले ही फारस की खाड़ी और होर्मुज स्ट्रेट से निकलकर लाल सागर तक फैल चुका है। अगर दोबारा हमला हुआ तो युद्ध का दायरा और बढ़ सकता है। अगर ऐसा होता है तो इससे भारत और चीन जैसे बड़े तेल आयातक देशों पर बड़ा असर पड़ सकता है।

अमेरिका-ईरान जंग शुरू होने के बाद से ट्रम्प पिछले 7 महीने में 10 से ज्यादा बार ईरान को तबाह करने की धमकी दे चुके हैं, लेकिन हर बार उन्हें पलटकर बातचीत का रास्ता अपनाना पड़ा।

हिंद महासागर यूरोप, पश्चिम एशिया को एशियाई देशों से जोड़ने के लिए बेहद अहम है। समुद्र में तनाव बढ़ने से पश्चिम एशिया से तेल लाने वाले जहाजों पर हमले की आशंका बढ़ जाएगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने UN महासभा ईरान को एक बार फिर से तबाह करने की धमकी दी है। मंगलवार को UN में अपने भाषण में उन्होंने कहा- अमेरिका के पास दो रास्ते हैं- ईरान के साथ समझौता करना या उसे खत्म कर देना।उन्होंने आगे कहा, 'मैंने यूरोपीय देशों को बताया था कि ईरान बैलिस्टिक मिसाइलों की आड़ में परमाणु बम बना रहा था। जब दूसरे नेता केवल इंतजार कर रहे थे, तब अमेरिका ने ईरान के खिलाफ कार्रवाई कर उसे रोका।' इससे पहले ईरान की सेना ने भी ट्रम्प पर निशाना साधा था। ईरानी सशस्त्र बलों ने आरोप लगाया कि ट्रम्प ने UN के मंच का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ अमेरिकी आक्रामकता को सही ठहराने के लिए किया।

अल जजीरा के मुताबिक, ईरानी सेना ने कहा कि ट्रम्प की बार-बार दी जा रही धमकियां ताकत की निशानी नहीं, बल्कि रणनीतिक हताशा की निशानी हैं।

यूएन में ट्रम्प पर भड़के पजशकियान

ईरान की यह चेतावनी ऐसे समय आई है, जब राष्ट्रपति मसूद पजशकियान UN महासभा में हिस्सा लेने अमेरिका पहुंचे हैं। UN में पजशकियान ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के रवैये को धौंस जमाने वाली मानसिकता बताया था। पजशकियान ने कहा कि ईरान अमेरिका के दबाव के आगे नहीं झुकेगा। UN महासभा में अपने भाषण के दौरान पजशकियान ने कहा कि धमकियों से ईरान का इरादा और मजबूत होगा। हालांकि, उन्होंने युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत का रास्ता खुला रखने की बात भी कही।

दावा- मार्च में हिंद महासागर तक पहुंचा था युद्ध

ईरान के मुताबिक, इस साल मार्च में भी युद्ध का असर हिंद महासागर तक पहुंचा था। उस समय अमेरिका के हमले में ईरान का युद्धपोत IRIS देना डूब गया था। यह घटना श्रीलंका के तट के पास हुई थी। रॉयटर्स के मुताबिक, ईरानी फ्रिगेट श्रीलंका के गाले शहर से करीब 19 नॉटिकल मील दूर डूबा था। यह जगह श्रीलंका के विशेष आर्थिक क्षेत्र यानी EEZ में आती है।

जिनपिंग 11 साल बाद अमेरिका पहुंचे, ट्रम्प रिसीव करने गए

ट्रेड, एआई और ताइवान पर बातचीत होगी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग 11 साल बाद अमेरिका पहुंचे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प प्रोटोकॉल तोड़कर खुद जॉइंट बेस एंड्रयूज एयरपोर्ट पहुंचे और उनका स्वागत किया। ट्रम्प के साथ फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रम्प भी मौजूद थीं। शी के साथ उनकी पत्नी पेंग लियुआन भी अमेरिका पहुंची हैं।

आज जिनपिंग का व्हाइट हाउस में औपचारिक स्वागत होगा। इस दौरान सैन्य विमान फ्लाईओवर करेंगे और करीब 500 अमेरिकी सैन्यकर्मी समारोह में शामिल होंगे।

इसके बाद ट्रम्प और शी के बीच द्विपक्षीय बातचीत होगी। इसमें व्यापार, टैरिफ, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ताइवान और रूस से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। रात में ट्रम्प व्हाइट हाउस में शी जिनपिंग और पेंग लियुआन के सम्मान में स्टेट डिनर देंगे। राष्ट्रपति शी जिनपिंग के स्वागत में रेड कार्पेट, सैन्य सम्मान, बैंड और तोपों की सलामी के साथ हवाई प्रदर्शन भी किया गया। इसी दौरान दो B-1 बॉम्बर विमानों ने फ्लाईपास्ट किया। अमेरिका और चीन के बीच सबसे बड़ा मुद्दा ट्रेड और टैरिफ है। ट्रम्प के टैरिफ के जवाब में चीन ने भी अमेरिकी सामान पर टैक्स बढ़ाए थे। अब दोनों देश टैरिफ कम करने की कोशिश कर रहे हैं। करीब 30-30 अरब डॉलर के सामान पर टैरिफ घटाने और ऊर्जा व कृषि उत्पादों पर टैक्स कम करने को लेकर बातचीत चल रही है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676